Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

● वर्ष : 15 ● अंक-252 ● रायपुर, बुधवार 11 अक्टूबर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
आश्विन कृष्ण पक्ष
पक्ष- द्वादशी

सुविचार

व्यक्ति की पहचान केवल उसकी सफलता से नहीं बल्कि उसके गुणों से है।
-स्वदेश तिवारी

3

कलेक्टर ने ली मुद्रकों एवं प्रिंटिंग प्रेस संचालकों की बैठक

5

आदर्श आचरण संहिता हो चुकी है प्रभावशाली

7

देर रात्रि कलेक्टर एसपी सहित अधिकारियों के अमले ने किया जिले के चेक पोस्टों का औचक निरीक्षण

संक्षिप्त समाचार

उदयपुर में आयकर छापे में 70 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति मिली

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर शहर में रियल एस्टेट कारोबारियों और उनके सहयोगियों से जुड़े परिसरों पर आयकर विभाग की छापेमारी में 70 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति का खुलासा हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक विभाग की टीमों ने कारोबारियों के घरों और अन्य ठिकानों से संपत्ति से जुड़े अहम दस्तावेज जुटाए हैं। इसके अलावा तीन रियल एस्टेट कंपनियों और उनके सहयोगियों के दफ्तरों और घरों से करीब 70 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति मिली है। हालांकि, आयकर विभाग के अधिकारियों ने ब्योरा नहीं दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पिछले चार दिनों से 40 टीमें और 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी कार्रवाई में लगे हुए थे. इन टीमों ने बिल्डरों और अन्य व्यवसायियों से जुड़े 40 से अधिक स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। उनके सहयोगियों के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई. चौथे दिन करीब 17 बैंक लॉकर खोले गये. जिसमें से 70 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति दर्ज है। सूत्रों ने बताया कि इसमें छह किलो सोना, 90 किलो चांदी और 2.5 करोड़ रुपये नकद शामिल हैं।

दिल्ली की आवासीय इमारत में लिफ्ट में फंसा प्लंबर, मौत

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में एक आवासीय इमारत में लिफ्ट में फंसने से एक प्लंबर की मौत हो गई। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस नियंत्रण कक्ष को नारायणा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के लिफ्ट में फंसने की सूचना मिली, जिसके बाद एक पुलिस दल भेजा गया। पुलिस ने स्थानीय तकनीशियन की मदद से लिफ्ट खोली और घायल को अस्पताल ले जाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसकी पहचान राजीव कैंप निवासी संजय के रूप में हुई है, जो प्लंबर का काम करता था। अधिकारी ने बताया कि लिफ्ट क्षेत्र में जलजमाव की कुछ समस्या थी, जिसके लिए प्लंबर को बुलाया गया था। जब वह जांच कर रहा था, लिफ्ट चल पड़ी और वह फंस गया। उन्होंने कहा कि मामले की आगे की जांच की जा रही है। अधिकारी ने कहा, जांच के अनुसार कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

जंग के बीच पीएम नेतन्याहू की चेतावनी

पीएम नेतन्याहू बोले- जंग हमास ने शुरू की...खत्म हम करेंगे....

इजरायल/ एजेंसी

बीते 7 अक्टूबर से इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जंग जारी है। इस जंग में महज इन 3 दिनों में गाजा में 704 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 2,616 लोगों के घायल होने की खबर है। वहीं हमास के आतंकियों द्वारा किए गए हमले की वजह से इजरायल में 900 बेगुनाह लोगों की मौत हो चुकी है और करीब चार हजार लोग घायल हैं। इसी बीच हमास को कड़ी चेतावनी देते इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने हुए कहा कि इस युद्ध को इजरायल ने शुरू नहीं किया है लेकिन खत्म जरुर करेगा। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि हमास के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए हमने 3 लाख सैनिकों को जुटाया है। 1973 में हुई योम किप्पर जंग के बाद यह इजरायल की सबसे बड़ी सैन्य लामबंदी है, जब इजरायल ने 4 लाख रिजर्व सैनिकों को जंग के लिए बुलाया था। इजराइल युद्धरत है। हम ये युद्ध नहीं चाहते थे। इसे बेहद क्रूर और बर्बर तरीके से हम पर थोपा गया। हालाँकि इस युद्ध को इजराइल ने शुरू नहीं किया था, लेकिन इजराइल इसे ख़त्म कर देगा। एक समय, यहूदी लोग राज्यविहीन थे। एक समय, यहूदी लोग रक्षाहीन थे। अब और नहीं। हमास समझ जाएगा कि हम पर हमला करके उसने ऐतिहासिक गलती की है। हम ऐसी कीमत वसूलेंगे जो उन्हें और इसराइल के अन्य दुश्मनों को आने वाले दशकों तक याद रहेगी। हमास ने निर्दोष इजरायलियों के खिलाफ जो क्रूर हमले किए, वे हैरान करने वाले हैं: परिवारों को उनके घरों में मारना, एक बाहरी उत्सव में सैकड़ों युवाओं की हत्या करना, बड़ी

संख्या में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का अपहरण करना, यहां तक कि नरसंहार से बचे लोगों का भी। हमास के आतंकवादियों ने बच्चों को बांधा, जलाया और मार डाला। वे जंगली हैं। हमास आईएसआईएस है। और जिस तरह सभ्यता की ताकतें आईएसआईएस को हराने के लिए एकजुट हुईं, सभ्यता की ताकतों को हमास को हराने में इजरायल का समर्थन करना चाहिए। मैं राष्ट्रपति बिडेन को उनके स्पष्ट समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं दुनिया भर के उन नेताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं जो आज इजराइल के साथ खड़े हैं। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के लोगों और कांग्रेस को धन्यवाद देना चाहता हूं। हमास से लड़ने में, इज़राइल न केवल अपने लोगों के लिए लड़ रहा है। यह हर उस देश के लिए लड़ रहा है जो बर्बरता के खिलाफ खड़ा है। इस युद्ध में इजराइल जीतेगा और जब इजराइल जीतता है तो पूरी सभ्य दुनिया जीतती है। हमास के अधिकारियों ने कहा कि यह हमला अल-अक्सा पर चल रहे तनाव की वजह से हुआ है। इससे पहले साल 2021 में इजरायल और हमास के बीच 11 दिनों तक युद्ध लड़ा गया था। बता दें कि इस्लाम धर्म में अल अक्सा को मक्का और मदीना के बाद तीसरा सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। इसी को लेकर इजरायल और फिलिस्तीन के बीच विवाद है। अल-अक्सा मस्जिद मुसलमानों और यहूदियों दोनों के लिए पवित्र है। यहूदी इस जगह को टेंपल माउंट कहते हैं। इस जगह को लेकर पहले भी हिंसा हो चुकी है। हमास ने यहूदियों पर यथास्थिति समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

हर भारतीय इजरायल के साथ खड़ा-पीएम मोदी....

भारत, अमेरिका सहित कई देश इजरायल के साथ खड़े हैं। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग के जरिए ये जानकारी दी है। पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा, मैं प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की। उनके फोन कॉल और मौजूदा हालात पर अपडेट देने के लिए धन्यवाद देता हूं। भारत के लोग इस कठिन समय में इजरायल के साथ मजबूती से खड़े हैं। हमास के आतंकियों ने शनिवार तड़के ने इजरायल पर रॉकेट से औचक हमला कर दिया। इस हमले का इजरायल ने भी करारा जवाब दिया। बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के आतंकियों के खिलाफ जंग छेड़ दी और गाजा में मौजूद आतंकियों पर रॉकेट और बम से हमले करने शुरू कर दिए। इस युद्ध में अब तक इजरायल के 900 लोगों की मौत हो गई है।

2024 की तैयारी में जुटी बीजेपी

अल्पसंख्यकों को लुभाने के लिए भाजपा ने तैयार मास्टर प्लान.....

नई दिल्ली। अगले साल लोकसभा चुनाव होने हैं। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में वह अल्पसंख्यकों को लुभाने के लिए एक नया अभियान शुरू करेगा। आइए, इस अभियान के बारे में विस्तार से जानते हैं...न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि भाजपा अल्पसंख्यकों को लुभाने और उन्हें अपनी तरफ करने के लिए अल्पसंख्यक स्नेह संवाद कार्यक्रम शुरू करेगी। यह कार्यक्रम पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद शुरू किया जाएगा। हालांकि, इसकी तारीख अभी तय

नहीं हो पाई है। चुनाव आयोग ने नौ नवंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान किया। इन राज्यों में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मिजोरम और तेलंगाना शामिल हैं। एएनआई ने पार्टी सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि अल्पसंख्यक स्नेह संवाद कार्यक्रम शुरू करने की तारीख अभी तय नहीं हुई है। यह पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के खत्म होने के बाद शुरू की जाएगी और अगले लोकसभा चुनाव तक जारी रहेगी। इस कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय स्तर पर बैठक भी करेंगे। हालांकि, बैठक की तारीख अभी तय नहीं हुई है। इस कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक समुदाय की खेल हस्तियों, प्रभावशाली लोगों और महिला लाभार्थियों से बातचीत की जाएगी।

अहमदाबाद में पारंपरिक पोशाक पहने महिलाएं नवरात्रि उत्सव से पहले गुजरात के पारंपरिक नृत्य गरबा का अभ्यास करती हुई।

सुबह-सुबह आप को लगा जोर का झटका

आप पार्टी विधायक अमानतुल्लाह के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। एजेंसी

आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम होने का नाम ही ले रही है। दिल्ली में शराब घोटाले के मामले में अभी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह कोईडी ने 5 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। वहीं, मंगलवार सुबह पार्टी को एक बार फिर से जोर का झटका लगा है। दरअसल, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आप विधायक अमानतुल्लाह खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम आप विधायक के दिल्ली स्थित ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची है। ईडी की इस कार्रवाई के

दौरान आप विधायक के घर से किसी को बाहर और अंदर आने-जाने नहीं दिया जा रहा है। अभी तक प्राप्त जानकारी के मुताबिक ईडी की टीम मंगलवार को को आप विधायक के दिल्ली स्थित ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची है। ईडी की इस कार्रवाई के दौरान आप विधायक के घर से किसी को बाहर और अंदर आने-जाने नहीं दिया जा रहा है। गौरतलब है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आप विधायक अमानतुल्लाह के खिलाफ दिल्ली वक्फ बोर्ड के कामकाज में वित्तीय हेराफेरी और अन्य अनियमितताओं से जुड़े मामले केस दर्ज कराया था। इसी मामले में ईडी ने अमानतुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई की है। अमानतुल्ला खान पर आरोप है कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में काम करते हुए उन्होंने 32 लोगों को नियमों का उल्लंघन करते हुए भर्ती किया था। आरोप था कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में आप विधायक ने भ्रष्टाचार और पक्षपात किया था।

नोएडा में सड़क धंसी, सीवर लाइन डैमेज होने से हुआ कटान

नोएडा। नोएडा की मास्टर प्लान रोड नंबर-2 करीब 15 से 20 फीट तक धंस गई है। इस रोड पर रोजाना सैकड़ों की संख्या में वाहन आते जाते हैं। वहां मौजूद लोगों ने स्कूल का बैरिकेड लगाकर रोड को बंद कर दिया है। यातायात को एक लेन से निकाला जा रहा है। बताया गया कि ये रोड रात में धंसी थी। रोड धंसने की जानकारी प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। इसके बाद मौके पर अधिकारी पहुंच रहे हैं। बताया गया कि सेक्टर-27 की डीप सीवर लाइन के फटने से लीकेज था। इस वजह से सड़क पर अंदर से कटान हो गया। इस कारण ये धंस गई। इसमें पानी भरा हुआ दिख रहा है। फिलहाल पूरे मामले की स्ट्रक्चर जांच की जाएगी।

केसीआर का लक्ष्य अपने बेटे केटीआर को मुख्यमंत्री बनाना

तेलंगाना को डबल इंजन सरकार की जरूरत: गृहमंत्री अमित शाह

हैदराबाद। एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 10 अक्टूबर को आदिलाबाद में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री (के.चंद्रशेखर राव) का एक ही लक्ष्य है - अपने बेटे केटीआर को मुख्यमंत्री बनाना। हमारा लक्ष्य आदिलाबाद में हर आदिवासी युवा को रोजगार और शिक्षा प्रदान करना है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आपका उत्साह साफ़ बता रहा है कि भारतीय जनता पार्टी ही तेलंगाना में सरकार बनाने जा रही है! केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आप सभी ने 2014 और 2019

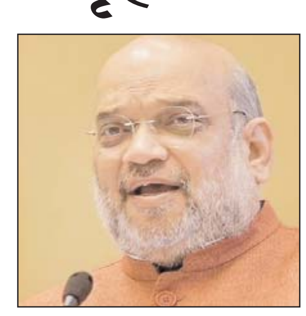

के चुनावों के दौरान पीएम मोदी जी पर बहुत प्यार बरसाया है। लेकिन अब समय आ गया है कि तेलंगाना को डबल इंजन सरकार की जरूरत है! मुझे यकीन है कि आप बीजेपी को जिताएंगे, पीएम मोदी को जिताएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केसीआर पर निशाना साधते हुए कहा कि ञ्चष्टक्र को कभी भी गरीबों की परवाह नहीं है, वह केवल अपने परिवार की परवाह करते हैं और उनके लिए काम करते हैं! केसीआर ने जितने वादे किये थे, उनमें से एक भी पूरा नहीं किया। आदिलाबाद में हवाई पट्टी बननी थी, आदिवासी भाई-बहनों को दो बेडरूम के घर देने थे, लेकिन कुछ नहीं हुआ! उनके वादे झूठे हैं, और उसके इरादे खराब हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि 'कांग्रेस ने आज तक सिर्फ गरीबी की बात की है और गरीबों के लिए कुछ नहीं किया है। 12 लाख करोड़ का घोटाला, घोटाला और भ्रष्टाचार यह भारतीय गठबंधन वाली कांग्रेस पार्टी ने किया है।

कांग्रेस हमेशा आतंकवाद समर्थक रही

आतंकियों और रोहिंग्याओं का कांग्रेस करती है समर्थन

नई दिल्ली । में सोमवार को हुई कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी ने इजरायल और फिलिस्तिन के बीच जारी युद्ध को रोकने और फिलिस्तिनी लोगों के भूमि, स्वशासन और सम्मान के साथ जीने के अधिकारों का समर्थन करने की बात कही। कांग्रेस की तरफ से इस तरह का बयान आने के बाद केंद्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी ने निशाना साधा है। इसके साथ ही बीजेपी के सांसद और तेंलगाना के पूर्व अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने कांग्रेस पर आतंकवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया है। बीजेपी सांसद बंदी संजय कुमार ने फ्लस्तीन की लड़ाई लड़ रहे संगठन हमास का

समर्थन करने को लेकर एआईएमआईएम और कांग्रेस नेताओं को आतंक का समर्थक बताया है। उन्होंने कहा कि हमास का समर्थन करके कांग्रेस और एआईएमआईएम दोनों आतंकवाद का समर्थन कर रहे हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। भारत को क्क के शासन में सबसे खतरनाक आतंकी हमलों को झेलना पड़ा था।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी

कांग्रेस की 65 सीटों पर तय हुए उम्मीदवारों के नाम खराब परफॉर्मेंस वाले विधायकों का कटेगा टिकट

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। कांग्रेस की पहली लिस्ट को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच एक बड़ा अपडेट सामने आया है। कांग्रेस छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों ने नामों को अंतिम रूप देने के लिए 13 अक्तूबर को केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक करेगी। पार्टी के एक सूत्र ने कहा कि सीईसी की बैठक राष्ट्रीय राजधानी में होगी, क्योंकि स्क्रीनिंग कमेटी की कई दौर की बैठक पहले हो चुकी हैं। 90 में से 65 विधानसभा सीटों पर एक-एक नाम तय कर लिए गए हैं। 25 सीटों पर पैनल में दो या तीन नाम पर अभी निर्णय होना बाकी है। इसके अलावा वर्तमान के 17 विधायकों की खराब परफॉर्मेंस के कारण पार्टी टिकट कट सकती है। कांग्रेस प्रदेश चुनाव समिति की बैठक अब तक 6 बार से अधिक हो चुकी है। जिसमें आवेदनों पर चर्चा हुई। 2 हजार से ज्यादा दावेदारों के आवेदनों में काट-छांट कर लगभग 300 लोगों की एक लिस्ट तैयार की गई थी। जिसमें 40 सीटों पर सिंगल नाम तय किए गए थे। इसके बाद भी बैठकों का दौर जारी रहा। अब तक 65 सीट पर सिंगल नाम तय कर लिए थे। सीएम बघेल ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव

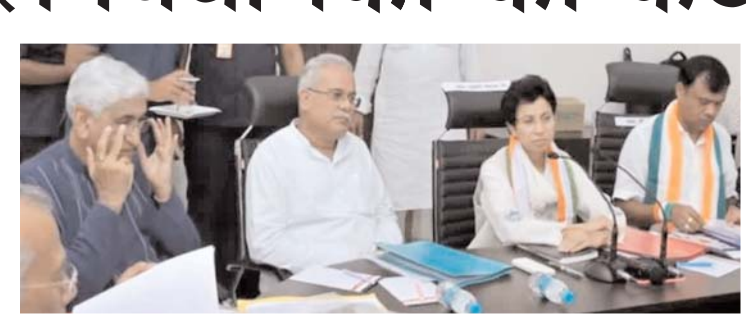

को लेकर सभी आवेदन और प्रत्याशियों को लेकर चर्चा हो रही है। जो सर्वे हुए हैं, ब्लॉक जिला से रिपोर्ट आई है और नेताओं की जो सिफारिश है। सभी के बारे में विचार विमर्श हुआ है। जल्द ही छत्तीसगढ़ कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। कांग्रेस छत्तीसगढ़ में जोर-शोर से चुनाव प्रचार कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही हैं। तीनों नेता पहले ही चुनावी राज्य में सार्वजनिक बैठकों को संबोधित कर चुके हैं। भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने आदिवासी बहुल राज्य में कई जन-समर्थक योजनाएं शुरू की हैं, और पार्टी को लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटने की उम्मीद है। इस बीच भाजपा भी चुनाव के लिए कमर कस रही है और उसने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया है। बीजेपी उम्मीदवारों की दो लिस्ट जारी कर चुकी है। पार्टी अब तक 85 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित हो गए हैं। पांच पर नाम जारी करना बाकी है। सोमवार को छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों में चुनाव तारीखों का एलान कर दिया है। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण में सात नवंबर और दूसरे चरण में 17 नवंबर को मतदान होगा।

घर की सजावट में रखें इन बातों का ख़ास ख्याल

कभी-कभी छोटे से डेकोरेटिव आइटम भी आपके घर या आपके कमरे को मॉर्डन और डिसेंट बना देते हैं। क्रिएटिव लोग बहुत अच्छे से जानते हैं कि घर में कहां कौन सी चीज़ को कैसे सजाना है। ये छोटे छोटे डेकोरेटिव आइटम घर को सुन्दर तो बनाते ही हैं, साथ ही आपका मूड भी रिफ्रेश कर देते हैं। लेकिन कभी-कभी चीज़ों को गलत ढ़ंग से सजा देने से आपके घर का छोटा और भरा हुआ लगता है। इसलिए अपने घर को सजाते समय हर चीज़ का ख़ास ख्याल रखें। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स देंगे जिनकी मदद से आप अपने घर में व्यवस्थित रूप से डेकोरेटिव आइटम का यूज कर सकें।

एंटीक पीस डेकोरेशन

आपके घर में बहुत सारे ऐसे आइटम होते हैं जो देखने में आपको बेकार लगते हैं। जो काफी समय से आपके स्टोर रूम का हिस्सा बने हुए हैं। आजकल तो वैसे भी एंटीक पीस को मॉर्डन डेकोरेशन के पार्ट माना जाता है। क्यों न आप भी कुछ ऐसा ही ट्राई करें। अपने स्टोर में रखा कोई ब्रास या मेटल का डेकोरेटिव पीस या फिर कोई ओल्ड फैशन वॉच जैसा कोई भी आइटम ढूंढ निकाले और स्मार्ट तरीके से इसको जगह के अनुसार सजाएं।

बहुत सारे सामान को सजाने के बजाय किसी एक फंटास्टिक आइटम से घर के डेकोरेशन करें। अपने घर को जरूरत से अधिक डेकोरेटिव आइटम से न भरें। कुछ लोगों के घर की दीवारें, कोने सब जगह डेकोरेटिव आइटम नज़र आते हैं। आप ऐसा न करें। कुछ लोग घर को सजाने की कोशिश में और शौक पूरा करने के लिए जरूरत से बड़े सामन खरीद लेते हैं। जब भी आप अपने घर के लिए कुछ खरीदें तो स्पेसिफिक जगह को दिमाग में रखें। डाइंग रूम का कारपेट रूम के साइज़ के अनुसार होना चाहिए। अगर अपने बेडरूम में कपल फोटो लगाना है तो वॉल का साइज चेक करके ही फ्रेम का साइज़ चुनें। क्योंकि चीज़ें स्पेस के अनुसार ही जंचती हैं।

कलर थीम का रखें ध्यान

हम लोग अपने घर में चीज़ों को अपनी हॉबी और इंट्रेस्ट के अनुसार ही सजाते हैं। लेकिन आप घर में किसी भी डेकोरेटिव आइटम को सजाने से पहले घर की कलर थीम और फर्नीचर कॉम्बिनेशन को भी ध्यान में रखें। जरूरी नहीं कि अगर आपके किसी फ्रैंड या रिलेटिव ने कोई एक्सपेंसिव गिफ्ट दिया है तो आप उसको बिना मैचिंग के ही घर में सजा लें। हो सकता है कि आइटम बहुत खूबसूरत हो। लेकिन अगर वह आपके घर के इंटीरियर से मैच नहीं करेगा तो आपके घर का लुक और उस आइटम की वैल्यू दोनों ही खत्म हो जाएंगी।

बालों के वॉल्यूम को बढ़ाने में मदद करेंगे यह नुस्खे

शैंपू और कंडीशनर लगाने से पहले कैस्टर ऑयल से बालों की मसाज करना जरूरी है। हो सके तो इसे रात भर के लिए छोड़ दें। नहाने से पहले एक तौलिया लें और उसे गर्म पानी में भिगो दें। तौलिये को बालों में रैप करें। यह स्टीम बालों में प्राकृतिक तेलों को लॉक करने में मदद करेगा।
महिलाओं की खूबसूरती को बढ़ाने में बालों का एक अहम् योगदान होता है। हर महिला की यह इच्छा होती है कि उसके बाल खूबसूरत और घने नजर आएं। लेकिन हर किसी के बालों में वह वाल्यूम नहीं होता है। जिसके कारण उनके बाल उतने खूबसूरत नजर नहीं आते हैं। अमूमन इस स्थिति में महिलाएं हेयर स्टाइलिंग टूल्स की मदद लेती हैं। लेकिन अब आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है।

शैंपू से पहले बालो को दें स्टीम

शैंपू और कंडीशनर लगाने से पहले कैस्टर ऑयल से बालों की मसाज करना जरूरी है। हो सके तो इसे रात भर के लिए छोड़ दें। नहाने से पहले एक तौलिया लें और उसे गर्म पानी में भिगो दें। तौलिये को बालों में रैप करें। यह स्टीम बालों में प्राकृतिक तेलों को लॉक करने में मदद करेगा। यह प्रक्रिया आपको तुरंत अपने बालों को फिर से जीवंत करने में मदद करेगी। जिससे आपके बालों में वॉल्यूम नजर आएगा

इस तरह से करें ब्लो-ड्राई

यदि आप अपने बालों को ब्लो-ड्राई करने का सामान्य तरीका अपनाते हैं, तो आपको बाउंसी बाल नहीं मिलेंगे। इसके लिए आपको एक अलग तरीका अपनाने की जरूरत है। ब्लो-ड्राई करते समय अपने बालों को उल्टा करने से आपको अपने बालों में एक अलग ही अंतर नजर आएगा।

एसेंशियल ऑयल का करें इस्तेमाल

सिर की मालिश करने से उस क्षेत्र में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने में मदद मिलती है, जो बदले में बालों के विकास में सहायता करता है। आप कुछ एसेंशियल ऑयल जैसे रोज़मेरी, लैवेंडर को नारियल और जोजोबा जैसे वाहक तेल के साथ पतला करके और इसे अपने स्कैल्प पर लगाकर उसकी प्रभावशीलता बढ़ा सकते हैं। ये तेल निष्क्रिय बालों के रोम को उत्तेजित करने, आपकी जड़ों को मजबूत करने और बालों के झड़ने को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यह बालों के वॉल्यूम को बढ़ाने में मददगार है।

बालों को ओवरवॉश करने से बचें

बालों की केयर करने के लिए उसे वॉश करना जरूरी होता है, लेकिन आपको उसे ओवरवॉश करने से बचना चाहिए। हर दिन शैंपू करने से आपके बालों के वॉल्यूम को नुकसान पहुंचता है। इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि बालों में रोजाना शैम्पू न लगाएं। आपके बाल जितने कम केमिकल के साथ रिएक्ट करते हैं, उतना अच्छा है।

कार्य के साथ निजी जीवन में संतुलन बनाना जरूरी

अति हर चीज़ की बुरी होती है, ये हम सभी जानते हैं। इसके बावजूद जाने-अनजाने उस तरफ़ बढ़ ही जाते हैं। लेकिन अति को नियंत्रित करना बहुत आवश्यक हो जाता है, ख़ासतौर से जब वो कार्य को लेकर हो और उससे निजी जीवन प्रभावित होने लगे। ऐसे में संतुलन बनाकर चलना ही एकमात्र रास्ता होता है। काम के प्रति लगाव होना अच्छी बात है लेकिन जब यही कार्य निजी जीवन पर हावी हो जाए तो रिश्ते में समस्याएं आने लगती हैं। सतीश जैसे लोगों के लिए ही वर्कोहॉलिक शब्द बना है।

वर्कोहॉलिक का मतलब काम में कुछ इस तरह डूबे रहना कि नशा-सा हो जाए। ऐसे लोग अपने प्रोफेशनल और निजी समय में अंतर नहीं कर पाते और दिन-रात काम के बारे में सोचते रहते हैं। जहां वे दिन में काम करते हैं वहीं घर आकर अपने निजी समय में भी काम को लेकर चिंतन करते रहते हैं और वर्कोहॉलिक सिंड्रोम की गिरफ़्त में आ जाते हैं। वर्कोहॉलिक होना सेहत के लिए नुक़सानदेह है। जीवन में सिफ़ काम और काम के बारे में सोचने से मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान बनी रहती है। इसका मतलब यह भी नहीं कि आप अपने काम के प्रति लापरवाही बरतें, परंतु आपको अपने काम और घर दोनों में संतुलन बनाकर चलना चाहिए। दफ़्तर या व्यवसाय का जो समय है उसमें सिर्फ़ काम को महत्व देना चाहिए और निजी समय में अपने शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य, घर के सदस्यों और दोस्तों पर भी ग़ौर करना चाहिए।

कहां से आया 'वर्कोहॉलिक' शब्द

एंग्लो सैक्सन शब्द वर्कोहॉलिक वर्कोहालिज़्म से आया, जिसे सन् 1971 में वेन ओट्स नामक वैज्ञानिक द्वारा वर्णित किया गया, जिसमें यह बताया गया कि एक वर्कोहॉलिक व्यक्ति काम में लगातार डूबा रहता है। वर्कोहॉलिक अपने काम के लिए ज़रूरत से ज़्यादा जुनूनी होते हैं। ऐसे लोग काम को ही सब कुछ समझते हैं और उनके लिए कॅरियर ही सब कुछ होता है। ऐसे लोग परिवार, समाज और दोस्तों को समय नहीं देते और सिर्फ़ अपने काम में ही उलझे रहते हैं। वर्कोहॉलिक व्यक्ति का जीवन एकरसता के चलते ऊब और तनाव से घिर जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि आप काम को जितना महत्व देते हैं उतना ही महत्व निजी जीवन को भी देना ज़रूरी है, तभी आप कार्य पर ध्यान लगा पाएंगे और इससे संतुलन भी बना रहेगा।

तन और मन के स्वास्थ्य पर असर

यदि व्यक्ति हमेशा ही कार्य या उसकी सोच में उलझा रहता है तो मानसिक तौर पर तनावग्रस्त व थका हुआ महसूस करता है। काम में व्यस्तता के कारण खानपान भी प्रभावित होता है जिसके चलते शारीरिक समस्याएं सिर उठाने लगती हैं। इसके परिणाम स्वरूप चिंता, अवसाद, अनिद्रा, थकान, चिड़चिड़ापन, हृदय संबंधी समस्या, उच्च रक्तचाप, अल्सर, गैस से संबंधित समस्याएं तो होती हैं साथ ही काम में ही जुटे रहने की ललक में तंबाकू, सिगरेट की भी आदत लग सकती है।

प्रभावित होता है निजी जीवन?

वर्कोहॉलिक व्यक्ति काम में इतने मगन रहते हैं कि अपने परिवार को वक़्त देते हुए भी अपने काम के बारे में ही सोच रहे होते हैं। किसी के घर मिलने जाना हो या फिर किसी शादी-समारोह में, वे हमेशा अपने कार्य, दफ़्तर के बारे में ही बात करते हैं। निजी जीवन और अपने कार्य में संतुलन नहीं बना पाते। परिवार के साथ समय बिताने या साथ भोजन करने के दौरान भी मेल चेक करना, फोन पर बात करना या काम को लेकर मंथन करते रहना भी रिश्तों में दरार डाल सकता है।

असंतुष्ट क्यों रहते हैं वर्कोहॉलिक?

कार्य कितना ही बेहतर क्यों न हो इन्हें हमेशा ही गुंजाइश नज़र आती है। उसे फिर से ठीक करने या नए सिरे से करने की चाह के चलते वे कभी संतुष्ट नहीं हो पाते। इन्हें अपने कॅरियर की चिंता रहती है और नौकरी जाने का डर भी बना रहता है। इस कारण हर समय चिंताग्रस्त रहते हैं, कभी अपने काम को लेकर तो कभी अपने कॅरियर को लेकर। और कभी संतुष्ट नहीं हो पाते।

नशे और जुड़ाव में अंतर

यदि कोई व्यक्ति हफ्ते में 60-70 घंटे कार्य करता है तो इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं कि वो वर्कोहॉलिक ही हो। और किसी व्यक्ति का 40-50 घंटे काम करने का मतलब ये नहीं वो काम में दक्ष नहीं हो सकता। यहां इस अंतर को समझना ज़रूरी है कि कार्य करने का समय बेशक ज़्यादा हो लेकिन उसके बाद निजी जीवन भी महत्व रखता हो। इसे कहते हैं वर्कइंगेजमेंट। वहीं कार्य का समय बेशक कम हो लेकिन दफ़्तर के बाद भी कार्य के बारे में ही विचार-मंथन करते रहना कहलाता है वर्कोहॉलिज़्म।

सफलता की कुंजी है 'संतुलन'

यदि आप ये सोचते हैं कि कार्य और कॅरियर पर ही पूरा ध्यान दें तब ही सफल व्यक्ति बन सकते हैं तो यह ग़लत सोच है, क्योंकि एक सफल व्यक्ति के पीछे उसके काम के साथ-साथ परिवार व दोस्तों का भी बहुत बड़ा योगदान रहता है। जब हमें भावनात्मक या फिर मुश्किल निर्णय लेने होते हैं तब हमें इन्हीं की आवश्यकता पड़ती है। जब हमें कष्ट होता है तब भी परिवार व दोस्त ही सबसे आगे होते हैं और सफल बनने के लिए हमें आर्थिक व मानिसक तौर पर भी इन्हीं का सहारा लेना पड़ता है। कॅरियर में अव्वल रहने की होड़ में हम वर्कहॉलिक बन जाते हैं और सिर्फ़ काम को ही सफलता की कुंजी समझते हैं, जो क़तई सही नहीं है। इसलिए सिर्फ़ काम पर ही ध्यान केंद्रित करके सफल बनने की धारणा को दूर करना होगा और परिवार, समाज, दोस्त व अपनी सेहत को भी ध्यान में रखकर आगे बढ़ना होगा। तभी आप कार्य के साथ जीवन में सफलता हासिल कर सकते हैं।
कार्य के साथ निजी जीवन में संतुलन बनाना भी ज़रूरी है। इसके लिए कुछ बातों पर ग़ौर करने की आवश्यकता है -

- काम और परिवार में अंतर समझें। काम के समय ईमानदारी से काम करें और निजी जीवन में काम के बोझ और तनाव को दूर करने की कोशिश करें।
- काम का एक रुटीन बनाएं। यह निर्धारित करें कि कब कार्य ख़त्म करना है और कितना समय अपनों के लिए निकालना है।
- कार्य ख़त्म होने के बाद दोस्तों, परिवार व समाजिक कार्यों के लिए भी समय दें। इससे मानसिक सुकून मिलेगा।
- सालभर में एक बार परिवार के साथ घूमने की योजना बनाएं। इसके लिए पहले से ही रणनीति बना लें कि कब आप छुट्टी ले सकते हैं। उस समय केवल अपनों के साथ वक़्त बिताएं। इससे रिश्ते बेहतर बनेंगे और जीवन में भी ताज़गी बनी रहेगी।
- दफ़्तर के कार्य के अलावा आपके शौक़ क्या हैं, उनके लिए भी वक़्त निकालें। जैसे फिल्म देखना पसंद है, कोई खेल खेलना भाता है या फिर किताबें पढ़ना अच्छा लगता है तो इन सभी के लिए वक़्त निकालें। ऐसा करने से काम को लेकर होने वाले मानसिक तनाव से दूर रहेंगे।
- ध्यान लगाने के लिए कुछ समय निकालें जिससे अपने मन-मस्तिष्क पर नियंत्रण पा सकें। मेडीटेशन मानसिक शांति प्रदान करता है। ध्यान किसी शांत स्थान पर ही लगाएं।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। तो क्यों न वक्त का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिटेंड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉटर्स अलनारी में है तो फ्लि नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉटर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।
- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ळभी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोर्ट्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

आसान काम नहीं है सोफे को रोजाना क्लीन करना

घर में ड्राइंग रूम को सबसे खूबसूरत माना जाता है। घर में आने वाले हर मेहमानों को सबसे पहले इसी कमरे में बिठाया जाता है, वैसे तो इस रूम की साफ-सफाई आप हर रोज करते हैं लेकिन सोफे को रोजाना क्लीन करना आसान काम नहीं है। अगर सोफे लैदर के हो तो परेशानी और भी ज्यादा बढ़ जाती है। सफाई में की गई जरा सी लापरवाही से इन पर गंदगी के पैच पड़ने शुरू हो जाते हैं इसलिए इसके लिए खास टिप्स की जरूरत पड़ती है। आइए जानें किस तरीके से आप कर सकते हैं सौफे की क्लीनिंग।

लैदर से बने फर्नीचर सालों साल चलते हैं लेकिन इनकी देखभाल करना बहुत जरूरी होता है क्योंकि धूल-मिट्टी या फिर कोई तरल चीज अगर इन पर गिर जाए तो यह चिपचिपे लगने लगते हैं। इसे हमेशा हल्के क्लीनर से साफ करें।

- सबसे पहले सोफे को सॉफ्ट ब्रश के वैक्यूम क्लीनर के साथ साफ करें। इससे लैदर पर जमी धूल-मिट्टी आसानी से साफ हो जाएगी।
- सिरका बहुत अच्छा कीटाणु नाशक है। पानी और सिरके को बराबर मात्रा में एक स्प्रे बोतल में डाल लें। इस घोल को सोफे पर छिड़क कर किसी नर्म कपड़े से साफ करें। इसे दाग-धब्बे दूर होने के साथ कीटाणु भी नष्ट हो जाएंगे।
- इसके बाद सोफे को सूखने के लिए छोड़ दें लेकिन इस बात का ख्याल रखें कि इसे ब्लो ड्रायर से न सूखाएं। इससे लैदर की शाइनिंग खराब हो सकती है।
- सोफे को साफ करने के बाद इसकी कंडीशनिंग करना भी जरूरी है ताकि लैदर का चमक बनी रहे। इसके लिए आप सिरका और अलसी का तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। 2 चम्मच सिरके मे 1 चम्मच अलसी का तेल डाल कर मिक्स करें। सोफे पर लगाने के बाद इसे सूखने दें।
- अंत में अगले दिन सोफे को साफ कपड़े के साथ अच्छे से पौंछ लीजिए। लैदर की चमक देखकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

छिपकली को घर से भगाने के लिए अपनाएं ये उपाय

घर की रोजाना सफाई करने के बावजूद भी कही ना कही से छिपकली आ ही जाती है। फिर चाहे कोई भी मौसम हो छिपकली घर से जाने का नाम नहीं लेती है। इस समस्या से बचने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपानते हैं पर कुछ खास फायदा नहीं होता है। ऐसे में हम आज आप को कुछ ऐसे उपाय बताएंगे जिनकी मदद से आप असानी से छिपकली को भगा सकते हैं। आइए जानते हैं छिपकलियों से छुटकारा पाने के शानदार टिप्स।

होम मेड स्प्रे - छिपकली को भगाने के लिए आप घर पर स्प्रे बना सकते हैं। स्प्रे बनाने के लिए आपको चाहिए सिर्फ 2 चीजें, काली मिर्च और पानी। 1 कप पानी में 1 छाटा चम्मच काली मिर्च का पाउडर डालकर लिक्विड तैयार कर लें। अब इस लिक्विड को स्प्रे बोतल में डाल लें और छिपकली पर स्प्रे करें। 1 हफ्ते तक रोजाना इस स्प्रे को इस्तेमाल करने पर छिपकली छूमंकर हो जाती है।
प्याज - खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाला प्याज हर घर में आसानी से मिल जाता है। इसकी मदद से आप छिपकली से भी छुटकारा पा सकते हैं। आप बस प्याज के टुकड़े को काटकर वहां रख दें, जहां छिपकी आती है। वहीं अगर छिपकली लाइट या घर के दरवाजों के आसपास रहती है तो आप किसी धागे के मदद से प्याज को लटका भी सकते हैं। ऐसा करने पर प्याज से आने वाली महक से घर में मौजूद सारी छिपकलियां भाग जाएंगी।
तम्बाकू और कॉफी पाउडर - तम्बाकू और कॉफी पाउडर से भी छिपकली को भगाया जा सकता है। आपको बस दोनों चीजों को मिलाकर छिपकली के आसपास रखना है। आप चाहें तो पानी में तम्बाकू और कॉफी पाउडर मिलाकर स्प्रे भी तैयार कर सकते हैं।
नेफ्थलीन की गोलियां - नेफथलीन की गोलियों को भी किटनाशक की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। आपको बस जहां छिपकली आती है वहां नेफ्थलीन की 1 गोली को रख देना है। नेफ्थएलीन की गोलियों की महक जैसे-जैसे फहलेगी छिपकली छूमंतर हो जाएगी।
मोर का पंख - छिपकली को भगाने के लिए बहुत से लोग मोर का पंख इस्तेमाल करते हैं। यह सबसे फेमस और बढ़िया उपाय है। छिपकली जहां भी आती है वहां मोर के पंख को टेप की मदद से लटका दें। ऐसा करने पर छिपकली खुद ब खुद चली जाती है। अगर आप भी छिपकलियों के आतंक से परेशान हैं तो इन उपाय को जरूर अपनाएं।

सार-समाचार

श्रेया दुबे का एमबीबीएस के लिए हुआ चयन

बिलासपुरः- ग्राम गिधौरी निवासी डॉक्टर स्वर्गीय कैलाश शर्मा के पुत्र डॉ राजेश दुबे आयुर्वेद चिकित्सक (बेलतरा) की पुत्री श्रेया दुबे का एमबीबीएस के लिए चयन हुआ है। इस अवसर पर गांव सहित क्षेत्र में खुशी का माहौल है। श्रेया की सफ्लता पर ओम प्रकाश, सीमा, रंजना, उषा, शशि, अदिति, डॉ सुरेश शर्मा, डॉक्टर राजेश दुबे, शशांक, शिशिर, सिद्धार्थ, एकाग्र, आदित्य, सृजन, अनुपम, श्रीनिका आदि ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है।

चुनाव के परिपेक्ष में अस्त्र-शस्त्र थानों में होगें जमा, कलेक्टर ने जारी किए आदेश

बिलासपुर :- 10 अक्टूबर 2023 को कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने एक आदेश जारी कर जिले में जारी समस्त लायसेंसी हथियारों को थानों में जमा करने को कहा है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष विधानसभा चुनाव सम्पन्न कराने के लिए कलेक्टर ने 9 अक्टूबर को इस आशय के आदेश जारी किये है। उन्हें लायसेंसी हथियार के साथ कारतूस, मैगजीन, बारूद जमा कराने का दायित्व थाना प्रभारी का होगा। बैंकों के सुरक्षा गार्ड को शस्त्र जमा कराने से छूट होगी। इसके अतिरिक्त ऐसे लायसेंसधारी जिससे निर्वाचन प्रक्रिया में व्यवधान की संभावना नहीं है उन्हें भी शस्त्र जमा कराने से छूट होगी, लेकिन इसकी सूचना संबंधित थाना में देनी होगी। यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है। यह आदेश 3 दिसम्बर 2023 तक प्रभावशील रहेगा। इसके पश्चात 8 दिसम्बर 2023 तक थाना प्रभारी लायसेंसधारियों को उनके शस्त्र वापस करायेंगे।

आगामी विधानसभा 2023 के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने ली बैठक

जांजगीर-चांपा/ आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले द्वारा आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से बैठक लिया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में आगामी विधानसभा निर्वाचन प्रयोजनार्थ नॉमिनेशन की प्रक्रिया, मतदाता सूची, मतदान दलों रेंडमाईजेशन, मतदान दलों के प्रशिक्षण, ईव्हीएम रेंडमाईजेशन सहित निर्वाचन आयोग के अन्य दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया एवं जिले में निर्वाचन से संबंधित आवश्यक तैयारियों के संबंध में चर्चा किया गया। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, अपर कलेक्टर लवीना पांडेय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निशा नेताम मड़ावी, डिप्टी कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर उपस्थित थे।

स्टेट बैडमिंटन में सीधे मेन ड्रा खेलेंगे सब जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ी

कोरबा। एरिना स्पोर्ट्स क्लब में हुई चयन स्पर्धा में उम्दा प्रदर्शन करने वाले नन्हें पर होनहार बैडमिंटन खिलाड़ियों की जिला टीम तैयार हो चुकी है। अब वे राजनांदगांव में आयोजित होने वाली स्टेट मिनी सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा में कोरबा का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में उम्दा प्रदर्शन करने और मेडल जीतकर लाने के लिए कोरबा जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के मार्गदर्शन में सभी चयनित बच्चे कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। बैडमिंटन की अंडर.11 व अंडर.13 खिलाड़ियों की चयन स्पर्धा के जरिए चुने गए इन बच्चों को प्रदेश के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, सांसद ज्योत्सना महंत, पूर्व महापौर रेणु अग्रवाल ने बीते रविवार एक अक्टूबर को अपने हाथों से पुरस्कृत भी किया था। बालक व बालिका वर्ग के खिलाड़ियों को पुरस्कृत होता देख बैडमिंटन कोर्ट में मौजूद रहे अभिभावकों ने काफी हर्षित व गौरवान्वित महसूस किया। उनके लिए यह क्षण अनमोल रहा। इस संबंध में कोरबा जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव गोपाल शर्मा ने बताया कि राजनांदगांव में 22वीं छत्तीसगढ़ राज्य मिनी सब जूनियर अंडर.11 व 13 बालक व बालिका बैडमिंटन चैम्पियनशिप-2023 का आयोजन 14 से 18 अक्टूबर के बीच किया जाना है। कुल पांच दिनों की इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कोरबा जिले की टीम भेजे जाने के लिए ही एक अक्टूबर को इस चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता दोनों आयु वर्ग में बालक एकल व बालिका एकल अंडर.11 व.13 में मैच खेलते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किए। एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक शर्मा ने कहा कि जिला स्तरीय चयन स्पर्धा के विजेता प्रतिभागी अब राजनांदगांव में कोरबा की ओर से अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और उन्हें विश्वास है कि वे श्रेष्ठ प्रदर्शन कर लौटेंगे। इन बच्चों के चयन पर कोरबा जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अशोक शर्माए एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना के अध्यक्ष डा संजय अग्रवाल, केडीबी, सचिव गोपाल शर्मा, एकलव्य सचिव मनीष अग्रवाल, केडीबी, के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा शिरीन लाखे आदि।

कलेक्टर संजीव झा ने ली राजनीतिक दल की बैठक

आदर्श आचरण संहिता एवं चुनाव संबंधी नियम-कायदों से अवगत कराया गया

बिलासपुर :- 10 अक्टूबर 2023 को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव झा ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद आज यहां जिला कार्यालय के सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बैठक में निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम, आदर्श आचरण संहिता सहित चुनाव संबंधी अन्य नियम-कायदों से अवगत कराकर स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सद्भावपूर्ण चुनाव संपन्न कराने में पूर्व की तरह सहयोग करने का आग्रह किया। सभी दलों ने आचरण संहिता का पालन करते हुए चुनाव मैदान में उतरने एवं जिला प्रशासन को सहयोग करने का भरोसा दिलाया। बैठक में निगम आयुक्त कुणाल दुदावत, एडीएम आरए कुरूवंशी, एडीएम शिव कुमार बनर्जी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी महेश शर्मा उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री झा ने बताया कि बिलासपुर जिले की छहों विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे चरण में 17 नवम्बर को मतदान होगा। इसके लिए 21 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक नाम निर्देशन पत्र लिए जाएंगे। जिला कार्यालय के विभिन्न कक्षों में रिटर्निंग अफ्सरों द्वारा नामांकन स्वीकार किए जाएंगे। इस दफा आयोग द्वारा एडीएम एवे एसडीएम को रिटर्निंग अफ्सर बनाये गये हैं। कोटा एवं बिल्हा विधानसभा क्षेत्रों के कुछ बूथ अन्य जिलों की सीमा में आते हैं, लेकिन नामांकन की प्रक्रिया बिलासपुर से ही संपन्न होगी। नामांकन दाखिला के समय अभ्यर्थी सहित कुल 5 लोग ही रिटर्निंग अफ्सर के कक्ष में जाने की अनुमति होगी।

कलेक्टर ने बताया कि सभी उम्मीदवारों एवं राजनीतिक दलों को आदर्श आचरण संहिता का पालन करते हुए चुनाव लड़ना होगा। प्रचार-प्रसार का कार्य सद्भावना पूर्ण होने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर प्रचार-प्रचार की अनुमति नहीं होगी। मतदाताओं को शराब अथवा अन्य किसी तरह का प्रलोभन करते हुए पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी। शासकीय सम्पति पर बैनर, झण्डा लगाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। निजी सम्पति का चुनाव कार्य में उपयोग मालिक की लिखित सहमति उपरांत ही किया जा सकेगा। सभा एवं जुलूस के लिए संबंधित इलाके के एसडीएम से अनुमति लेनी होगी। चुनाव वाहनों की अनुमति जिला कार्यालय में संयुक्त कलेक्टर वैभव क्षेत्रज्ञ को अधिकृत किया गया है। प्रथम आओ, प्रथम पाओ के आधार पर सभास्थलों की अनुमति राजनीतिक दलों को दी जायेगी।

सरकारी तंत्र के अलावा आम नागरिक भी सीविजिल एप्प के जरिए आचरण संहिता के उल्लंघन की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। जिले में 352 मतदान केन्द्र संवेदनशील के रूप में चिन्हित किये गये हैं। यहां विशेष व्यवस्था की जायेगी। चुनाव के दिन अथवा इसके पूर्व उम्मीदवारों द्वारा मतदाताओं की सादे पर्ची दी जा सकती है। पर्ची में किसी प्रकार के चुनाव चिन्ह अथवा अन्य कोई पहचान नहीं होने चाहिए। आयोग द्वारा बीएलओं के जरिए एक सप्ताह पर्ची बांटन की व्यवस्था की गई है। मतदान केन्द्र के 200 मीटर की दूरी पर उम्मीदवार अपने टेबल कुर्सी लगा सकते हैं। इनमें झण्डा, बैनर अथवा अन्य कोई प्रचार सामग्री नहीं रहेगी। चुनाव के दौरान मीडिया पर भी आयोग की कड़ी नजर रहेगी। सोशल मीडिया पर जारी किये गये विज्ञापनों को एमसीएमसी कमेटी से सर्टिफिकेशन कराना होगा। पेड न्यूज की भी जांच कमेटी द्वारा की जायेगी। नाम दाखिल करने के पूर्व अभ्यर्थी को किसी बैंक में जीरो बैलेंस खाता खुलवाना होगा। पूरे अभियान के दौरान इसी खाते के जरिए लेन-देन करना होगा। समय-समय पर अभ्यर्थी के खर्चे की जांच की जायेगी। बिल्हा एवं बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र को चुनाव आयोग द्वारा खर्च के दृष्टिकोण से संवेदनशील माना गया है। चुनाव प्रचार के लिए छपाये गये बैनर पोस्टर में प्रकाशक एवं मुद्रक का नाम एवं प्रतियों की संख्या जरूर दर्ज होने चाहिए। इसकी प्रतियां भी जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा करानी होगी। वाहनों के अनुमति की उपरी कोई संख्या नहीं रहेगी। मतदान के 48 घण्टे पूर्व केवल 3 वाहनों की अनुमति अभ्यर्थी को दी जायेगी। उन्होंने अनुमति पत्र सामने के विन्ड स्क्रीन में चस्पा कर प्रदर्शित करना होगा।

कलेक्टर ने ली मुद्रकों एवं प्रिंटिंग प्रेस संचालकों की बैठक

बिलासपुर :-10 अक्टूबर 2023 को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार झा ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में मुद्रकों एवं प्रिंटिंग प्रेस संचालकों की बैठक ली। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान प्रकाशित प्रचार सामग्री के संबंध में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए इनका हर हाल में पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रकाशित सामग्री में प्रकाशक एवं मुद्रक का नाम एवं पता हर हाल में प्रदर्शित किया जाना चाहिए। ऐसी सामग्री का मुद्रण से स्पष्ट मना कर दें जो लोगों के बीच भेदभाव एवं शत्रुता एवं अलगाव को बढ़ावा दें। प्रकाशन उपरांत मुद्रक को घोषणा पत्र एवं प्रकाशित सामग्री की चार प्रति स्थानीय जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा प्रचार सामग्री की डिलिवरी उसी वाहन में करें जिन्हें राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा अनुमति प्रदान की गई हो। नियमों का उल्लंघन किये जाने पर अधिकतम छह माह की कारावास एवं 2 हजार रूपये की जुर्माना दण्ड स्वरूप भुगतना पड़ेगा। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में प्रिंटर्स एवं प्रेस संचालक उपस्थित थे।

विधानसभा निर्वाचन 2023 : निर्वाचन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करें: कलेक्टर

सीविजिल, एफएसटी एवं एमसीएमसी की टीम ड्यूटी पर रहे तैनात

बिलासपुर :- 10 अक्टूबर 2023 को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार झा ने आज यहां जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में विधानसभा निर्वाचन के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि सीविजिल, एफ्एसटी, व्हीएसटी, एसएसटी एवं एमसीएमसी की टीम ड्यूटी पर तैनात रहे। उन्होंने मतदान दल, व्यय लेखा दल, नाम निर्देशन, मतदान सामग्री वितरण, मतदान दलों की वापसी, रूट चार्ट, मतगणना एवं अन्य सभी मुद्दों पर चर्चा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी एसडीएम से कहा कि राजनीतिक दलों की बैठक लेकर उन्हें आदर्श आचरण संहिता के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करें। कलेक्टर ने मतदान केंद्रों में मूलभूत सुविधा बिजली, पानी, शौचालय, रैम्प की जानकारी ली। सभी जनपद सीईओ एवं सेक्टर अधिकारियों को मतदान केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन करने कहा। कलेक्टर ने निर्वाचन व्यय लेखा, स्ट्रांग रूम, स्वीप अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम से संबंधित निर्देश दिए। उन्होंने स्वीप के तहत अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित करने कहा। बैठक में नगर निगम कमिश्नर कुणाल दुदावत, एडीएम आरए कुरूवंशी, अपर कलेक्टर शिवकुमार बनर्जी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय अग्रवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी महेश शर्मा सहित सभी अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

निर्वाचन के कार्य में लगे सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करें - कलेक्टर

कलेक्टर ने आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने के दिए निर्देश

जांजगीर चांपा/ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आगामी विधानसभा निर्वाचन के संबंध में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने जिले में शत प्रतिशत मतदान और मताधिकार के प्रति लोगो को जागरूक करने के लिए संत शिरोमणी गुरू घासीदास महाविद्यालय पामगढ़ में 11 अक्टूबर को आयोजित होने वाले स्वीप मलखंभ की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने स्वीप मलखंभ के आयोजन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन के कार्य में लगे सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करेंगे। उन्होंने मतदान केन्द्रों में मूलभूत व्यवस्था बिजली, पानी, शौचालय, रैम्प, व्हील चेयर, फर्नीचर की जानकारी ली तथा सीईओ जनपद, आरईएस एवं संबंधित सेक्टर अधिकारियों को मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जिले में निष्पक्ष एवं शांति पूर्ण निर्वाचन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने कहा। उन्होंने सी-विजिल, एफ्एसटी, एसएसटी, वीवीटी एवं एमसीएमसी की टीम को आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा एफ्एसटी टीम को संपत्ति विरूपण, कोलाहल अधिनियम के तहत लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने निर्वाचन व्यय लेखा, स्ट्रांग रूम, स्वीप अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर डीएफ्ओ श्री मनीष कश्यप, अपर कलेक्टर श्री एस पी वैद्य, अपर कलेक्टर लवीना पांडेय, अपर कलेक्टर श्री गुड्डु लाल जगत, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर के खुटे, सर्व एसडीएम एवं जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

निर्वाचन की प्रक्रिया निर्विघ्न, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए लागू होंगे प्रतिबंधात्मक उपाय

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर विधानसभा निर्वाचन, 2023 की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग के स्थायी आदेशों के द्वारा भी निर्वाचन के दौरान शांति बनाये रखने के निर्देश के संदर्भ में यह आवश्यक हो गया है कि जिले में लोक शांति बनाये रखने तथा निर्वाचन प्रक्रिया निर्विघ्न निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु अन्य उपायों के साथ-साथ प्रतिबंधात्मक उपाय भी किये जायें इसलिए जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 (1) एवं (2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु जिले के सम्पूर्ण क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक निषेधाज्ञा जारी की गई है। जिसके अंतर्गत जिला सूरजपुर के अंदर कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का घातक अस्त्र-शस्त्र यथा बन्दुक, रायफ्ल, पिस्टल, भाला, बल्लम, बरछा, तलवार, गुप्ती खूखरी लाठी एवं अन्य प्रकार के घातक हथियार तथा विस्फोटक सामग्री लेकर किसी भी सार्वजनिक स्थान आम सड़क, रास्ता, सार्वजनिक समाओं, रैली, जुलूस एवं अन्य स्थानों पर नहीं चलेगा। सूरजपुर जिले में कोई भी राजनैतिक दल या अभ्यर्थी सशस्त्र जुलूस नहीं निकालेगा और आपत्तिजनक नारे नहीं लगायेगा। आपत्तिजनक पोस्टर आदि प्रदर्शित वितरित नहीं करेगा। सूरजपुर जिले के अंदर कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह या दल, बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के न तो कोई सभा करेगा, न कोई रैली या जुलूस निकाल सकेगा। साथ ही किसी भी प्रकार का धरना प्रदर्शन, चक्का जाम एवं पुतला दहन किसी भी स्थिति में वर्जित रहेगा। कोई भी राजनैतिक दल अथवा व्यक्ति द्वारा आमसभा, जुलूस, धरना आदि आयोजित करने के 24 घंटा पूर्व उसकी विधिवत लिखित सूचना सक्षम प्राधिकारी को देगा तथा अनुमति प्राप्त होने के बाद संबंधित राजनैतिक दल अथवा व्यक्ति आम सभा, जुलूस, धरना आदि का आयोजन कर सकेगा।

कोई भी राजनैतिक दल अथवा व्यक्ति जिला सूरजपुर के अंतर्गत आने वाले नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के किसी भी धार्मिक स्थल या उसके आस पास 100 मीटर की परिधि में आमसभा का आयोजन नहीं करेगा और न ही धार्मिक स्थलों का उपयोग किसी भी तरह के राजनैतिक प्रयोजनों हेतु करेगा। किसी भी राजनैतिक दल अथवा व्यक्ति द्वारा बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से किसी प्रकार के नारे बाजी या प्रचार प्रसार एवं वक्तव्य का उद्घोष नहीं करेगा। मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व की अवधि में किसी भी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र, नारेबाजी या प्रचार प्रसार पूर्णतरू प्रतिबंधित रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाला व्यक्ति दल, भारतीय दण्ड विधान की धारा 188 के अंतर्गत दंडनीय होगा। इस आदेश की कंडिका-1 उन व्यक्तियों, शासकीय अधिकारियों कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, जिन्हें अपने कार्य सम्पादन के लिये लाठी या शस्त्र रखना आवश्यक है। यह आदेश उन शासकीय कर्मचारियों अधिकारियों पर भी लागू नहीं होगा जिन्हें चुनाव व मतदान के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह आदेश उन व्यक्तियों पर भी लागू नहीं होगा, जिन्हें शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था या दिव्यांग होने के कारण सहारे के रूप में लाठी रखना आवश्यक होता है। यद्यपि निषेधाज्ञा आदेश जारी करने के पूर्व जिला सूरजपुर के आम नागरिकों को सुना जाना आवश्यक है, किन्तु परिस्थितियों एवं समयाभाव के कारण पृथक से पूर्व सूचना देकर सुना जाना संभव नहीं है। अतएव दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 (2) के अधीन एक पक्षीय आदेश पारित किया जाता है।

मुद्रा-इतिहास के अश्वेत पन्ने का अंतिम संस्कार

पंकज शर्मा

सच्चे बदलाव उन्नीस-बीस का फ़र्क़ वाले लोग नहीं लाया करते। वह तब आता है, जब सचमुच ख़ालिस दूध से धुला कोई नायक सड़ांध मारते खलनायक को ललकारता है। लोग बुरे में 'कम बुरे' को चुनने के चक्कर में नहीं पड़ते हैं। जब ऐसा मौक़ा आता है तो वे उन्हें फ़ायदा पहुंचाने वाले 'ज़्यादा बुरे' के तंबू में पनाह ले लेते हैं। यही हो रहा है। ईश्वर न करे कि यही होता रहे!

दूध का धुला कोई नहीं है। आज की दुनिया में जब दूध ही दूध का धुला नहीं है तो मैं-आप कहां से दूध के धुले हों जाएंगे? सो, हम सब सपरेटा दूध के धुले हैं। लेकिन ताल ऐसे ठोकते हैं, गोया तन-मन हरिष्चंद्र के डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक अम्ल की बूंदों से सराबोर है। आज के संसार में, फिर उसके समाज में, फिर उसके अर्थतंत्र में और फिर उससे जन्मी सियासत में आख़िर कौन महात्मा गांधी की बकरी के दूध का धुला हो सकता है? मोहनदास करमचंद आज स्वयं भी होते तो उन्हें भी, इस लोकतंत्र को पालने-पोसने के लिए, पता नहीं क्या-क्या पापड़ बेलने पड़ते? इसलिए किसी नरेंद्र भाई मोदी को, किसी अमित भाई शाह को, किसी शरद पवार को, किसी ममता बनर्जी को, किसी नीतीश कुमार को, किसी लालू प्रसाद यादव को, किसी अरविंद केजरीवाल को, किसी मायावती को या किसी अखिलेश यादव को हम क्यों तो कोसें और क्यों उन्हें लानत-मलामत भेजें? वे सब अपने-अपने तरीके से लोकतंत्र को मजबूत बनाने में जुटे हुए हैं। आज से नहीं, बरसों से जुटे हुए हैं और हम-आप उन्हें जब तक कंधे पर लिए घूमते रहेंगे, वे अपने काम में जुटे रहेंगे।

जब हम ने अपने सर्वगुण संपन्न पुरोहित नरेंद्र भाई द्वारा सुवेंदु अधिकारी, हिमंत बिस्वा सर्मा, मुकुल रॉय, नारायण राणे, पेमा खांडू, छगन भुजबल, अजित पवार, बी.एस. येदियुरप्पा, भावना गवली, प्रताप सरनायक, यशवंत जाधव, यामिनी जाधव, वग़ैरह-वग़ैरह के लिए पढ़े गए 'पवित्रो अपवित्र:' मंत्र जाप के बाद उन सभी को भाजपाई-दूध का धुला मान लिया है तो सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया या संजय सिंह पर तोहमत लगाने का हमें क्या हक़ है? अगर हमारे नरेंद्र भाई सपरेटा दूध के धुले भी होते तो क्या अपने-पराए का ऐसा भेद कर पाते?

2014 की गर्मियों से काफी पहले ही नरेंद्र भाई ने अपने को दूध का धुला प्रचारित करने के लिए कई छवि-निर्माताओं को भाड़े पर ले लिया था। इस प्रचार ने उन्हें अच्छे दिन लाने वाले मसीहा के तौर पर स्थापित कर दिया और वे फुदक कर रायसीना पहाड़ी के सत्ता-वृक्ष की सबसे ऊंची टहनी पर जा बैठे। उनके अनुचर झूमने लगे। फिर सात साल पहले 8 नवंबर 2016 की रात 8 बजे जब उन्होंने नोटबंदी का धमाका किया तो मैं भी झूमने लगा कि अब तो नरेंद्र भाई काले धन और आतंकवाद को नेस्तनाबूत कर के ही दम लेंगे। उन्होंने तब मौजूद 500 और 1000 रुपए के नोट रद्द कर दिए और उनकी जगह 500 और 2000 रुपए के नए नोट जारी करने का ऐलान कर दिया। तब बाज़ार में 15 लाख 51 हज़ार करोड़ रुपए (यानी डेढ़ सौ खरब रुपए से कुछ ज़्यादा) 500 और 1000 रुपए के नोटों में मौजूद थे। नरेंद्र भाई को अपने लंबे राजनीतिक अनुभव से लग रहा होगा कि इनमें दो-चार लाख करोड़ रुपए का काला धन तो ज़रूर राजनीतिकों और धन्ना सेठों के गोदामों में होगा और अ बवह एक झटके में प्रसार से बाहर हो जाएगा। मगर 99 फ़ीसदी से ज़्यादा रद्द नोट बैंकों में लौट आए। यह कैसे हुआ, कोई इसलिए नहीं जानता कि जो जानते होंगे, वे इतने दूध के धुले नहीं हैं कि किसी को कुछ बताएं।

नरेंद्र भाई के पौरुष से सात साल पहले जन्मे दो हज़ार रुपए के नोट का आज अंतिम संस्कार है। इसलिए मैं इन सात वर्षों की चकरघिन्नी में आपको ले कर ज़रा घूमना चाहता हूं। नोटबंदी के वक़्त दो हज़ार रुपए के क़रीब सात लाख करोड रुपए की कीमत के नोट छापे गए थे। यानी साढ़े तीन अरब नोट छपे। सरकार ने संसद में बताया कि दो हज़ार के एक नोट की छपाई पर तक़रीबन सवा तीन रुपए का खर्च आया। इसका मतलब हुआ कि दो हज़ार रुपए के नोट की छपाई पर ग्यारह-बारह सौ करोड़ रुपए खर्च हुए। काले धन और आतंकवाद से निपटने के लिए यह रकम मामूली है। इससे चार गुनी तो नरेंद्र भाई ने जी-20 के आयोजन पर खर्च कर दी।

2018 के बाद दो हज़ार रुपए के नोटों की छपाई बंद कर दी गई। दो हज़ार का जो नोट बैंक में जमा होता, उसे बाज़ार में वापस भेजना बंद कर दिया गया था। इस तरह तीन-चार लाख करोड़ रुपए के नोट आम-प्रचलन से बाहर कर दिए गए। पिछले चार-पांच साल से तक़रीबन चार लाख करोड़ रुपए की कीमत के दो हज़ार रुपए के नोट प्रचलन में बचे थे। इस साल 19 मई को रिज़र्व बैंक ने इन्हें भी प्रचलन से पूरी तरह बाहर करने का ऐलान कर दिया। इनमें से 99 प्रतिशत के आसपास अब फिर बैंकों में लौट आए हैं। इस तरह सात साल पहले एक मंगलवार को शुरू हुए इतिहास का यह अश्वेत पन्ना देश-दुनिया घूम-घाम कर आज शनिवार के दिन पूरी तरह दफ़्न हो रहा है। इतना अल्पजीवी नोट दुनिया में शायद ही कोई और रहा हो। दो हज़ार रुपए के नोट की लुगदी बन जाने के बाद इसके रहस्यमयी तहखाने पर हमेशा के लिए ताला लग जाएगा।

अब यह मत पूछिए कि डेढ़ सौ खरब रुपए के नोट रातोंरात रद्द कर देने की झौंक के बाद पिछले सात साल में कितना काला धन बाहर आया? यह भी मत पूछिए कि इससे आतंकवाद कितना कम हुआ? सरकार के पास नोटबंदी से इन बातों के सीधे संबंध का कोई हिसाब-किताब नहीं है। आपके लिए इतना जानना ही काफी है कि नोटबंदी के समय नरेंद्र भाई के मंसूबे दूध-धुले थे। वे पूरे हुए तो ठीक। नहीं हुए तो ठीक। किसी प्रधानमंत्री को प्रयोगधर्मी होने से आप रोक नहीं सकते। नरेंद्र भाई की प्रयोगधर्मिता तो वैसे ही हर मामले में बेमिसाल रही है ङ्क आज से नहीं, मगरमच्छ युद्ध के दिनों से। वे आपके प्रश्नवाचक चिह्न के दायरे से परे थे, परे हैं और परे रहेंगे।

दूसरे तो सब अपने-अपने हिस्से का एक लोटा दूध डालेंगे ही, यह सोच कर मैं ने भी जीवन भर हर बार दूध की जगह तालाब में एक लोटा पानी डाला। सो, अब दूध के तालाब के पानी-पानी होने पर मैं कैसे विलाप करूं? जो दूध के धुले हैं और दूध का अपना-अपना लोटा पूरी ईमानदारी से नारायण-सरोवर में अर्पित करते रहे हैं, उन्हें प्रलाप का पूरा हक़ है। लेकिन उनका रुदन भी मुझे तो कहीं सुनाई दे नहीं रहा। वे घुट-घुट कर मन-ही-मन सुबक रहे हों तो मैं नहीं जानता। ऐसे अकेले-अकेले रोने वालों को धिक्कारें न तो क्या करें?

इसीलिए मैं कहता हूं कि अगर देशवासी दूध के धुले होते तो आज पूरा देश, ताल ठोकता न सही, छाती पीटता तो नज़र आता! मगर चूंकि हम सब पाखंडी हैं, इसलिए आडंबर रच कर हमें झक्कू दे रहे किसी एक के ख़िलाफ़ हमारी ज़ुबान हिले तो कैसे हिले? सच्चे बदलाव उन्नीस-बीस का फ़र्क़ वाले लोग नहीं लाया करते। वह तब आता है, जब सचमुच ख़ालिस दूध से धुला कोई नायक सड़ांध मारते खलनायक को ललकारता है। लोग बुरे में 'कम बुरे' को चुनने के चक्कर में नहीं पड़ते हैं। जब ऐसा मौक़ा आता है तो वे उन्हें फ़ायदा पहुंचाने वाले 'ज़्यादा बुरे' के तंबू में पनाह ले लेते हैं। यही हो रहा है। ईश्वर न करे कि यही होता रहे!

संपादकीय

आप में आगे किसकी बारी?

मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और अब संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के नेता डरे हुए हैं। सबको गिरफ्तारी की चिंता सता रही है। तभी दिल्ली के राजनीतिक सर्किल में यह बात पूछा जा रहा है कि अब किसकी बारी है? क्या केंद्र सरकार की एजेंसियां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कार्रवाई करेंगी? संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद भाजपा ने आप कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और नारा लगाया कि केजरीवाल के लिए भी हथकड़ी पहुंचने वाली है। असल में शराब घोटाले में पार्टी के कई नेताओं के नाम आ रहे हैं या लाए जा रहे हैं। वाईएसआर कांग्रेस के एक सांसद के रिश्तेदार के साथ साथ एक कारोबारी दिनेश अरोड़ा सरकारी गवाह बन गए हैं। उसके बाद ही आप के नेताओं की चिंता बढ़ी है। संजय सिंह की गिरफ्तारी का एक कारण यह बताया जा रहा है कि उन्होंने दिनेश अरोड़ा को अरविंद केजरीवाल से मिलवाया था और पार्टी के लिए 82 लाख रुपए का चंदा वसूला था। जब मिलवाने वाले व्यक्ति को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया तो सोचा जा सकता है कि मिलने वाली यानी केजरीवाल के लिए कितनी मुश्किल हो सकती है। हालांकि यह सबको पता है कि उन्होंने किसी फाइल पर दस्तखत नहीं किया होगा। लेकिन अगर शराब नीति में बदलाव करने के बदले पार्टी को पैसे मिलने का कोई सबूत मिलता है तो निश्चित रूप से पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के नाते केजरीवाल मुश्किल में आएंगे। ईडी के एक आरोपपत्र में आप के सांसद राघव चड्ढा का भी नाम है। हालांकि वे आरोपी नहीं बनाए गए हैं लेकिन एजेंसियों को किसी को आरोपी बनाने में कितना समय लगता है! तभी आम आदमी पार्टी में चिंता बढ़ी है और पार्टी के नेता इस मुश्किल को मौके में बदलने के प्रयास में लगे हैं।

जाति जनगणना का ये सिलसिला अब प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण की मांग तक पहुंचेगा....

राधेश्याम कोरी

समय का पहिया 360 डिग्री घूम कर एक चक्र पूरा कर चुका है. और यह वक्त बिहार के एक युवा नेता चिराग पासवान के लिए अतीत से, अपने पिता से सीखने का भी है. अब वो सीखे न सीखें, उनकी मर्जी, मैं बस याद दिला रहा हूँ. 2016 का साल था और संसद में तब स्वर्गीय राम विलास पासवान ने पहली बार एक मांग रखी थी. 5 फरवरी 2016 को पीटीआई के हवाले से एक खबर आई थी. खबर के मुताबिक, तब राम विलास पासवान ने तत्कालीन केंद्र सरकार से ये मांग की थी की केंद्र सरकार एक ऐसा कानून ले कर आएं, जिससे पिछड़ों, अति पिछड़ों, अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों को प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण का लाभ मिल सके. जाहिर है, तब उस मांग पर किसी का ध्यान न जाना था, न गया, लेकिन कहते हैं, राजनीति में कभी कोई मुद्दा जलाया नहीं जाता, दफ्न कर दिए जाते है और जरूरत पड़ने पर उसे फिर से सामने ले आया जाता है. अब जब बिहार में जाति जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए जा चुके हैं और जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी का नारा फिर से भारतीय राजनीति में गूंजने लगा है, तब एक बार फिर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि जिस मांग को कभी स्वर्गीय राम: अफर्मेटिव एक्शन पर एक समन्वय समिति विलास पासवान ने वैचारिक तौर पर उठाया था, वो मांग एक बार फिर सुनने को मिल जाए और इसकी वजहें भी है. फिलहाल, जब चिराग पासवान बिहार के कास्ट सर्वे रिपोर्ट पर सवाल उठाते हैं तब उन्हें अतीत के इस पन्ने को भी देख लेना चाहिए, शायद उन्हें इसका कुछ राजनीतिक फायदा मिल जाए. यह ठीक बात है कि 63 फीसदी पिछड़ा वर्ग, 19 फीसदी अनुसूचित जाति और करीब 2 फीसदी अनुसूचित जनजाति की संख्या भारी है. लेकिन, इसका फायदा क्या मिलेगा? बिहार जैसे राज्य में राजनैतिक रूप से तो

1991 से ही पिछड़ों-दलितों की भागीदारी वाली सरकारें रही हैं. सामान्य वर्ग के लोग बमुश्किल अपनी राजनैतिक भागीदारी को बचाए हुए है, जो निश्चित ही इस कास्ट सर्वे रिपोर्ट के आने के बाद और घटने वाली है. लेकिन, 27 फीसद आरक्षण के बाद भी कितने पिछड़ों / दलितों का आर्थिक सशक्तिकरण हुआ, कितने उच्च शिक्षा में जा सके, कितने सरकारी नौकरी पा सके. अब राहुल गांधी के हालिया बयान को ही देख लें. मात्र 3 ओबीसी सेक्रेटरी वाले बयान को ही देख लें तो स्थिति का आकलन कर सकते हैं. केंद्र सरकार की नौकरियों में सालाना दर पर ओबीसी की हिस्सेदारी बड़ी तो जरूर है, लेकिन यह महज 23-24 हजार के आसपास है. अब करोड़ों की जनसंख्या, 63 फीसदी आबादी और सरकारी नौकरी हजारों में, चलिए इसमें राज्य सरकारों की भी कुछ नौकरियों को जोड़ लिया जाए तो भी एक बहुत बड़ी, बहुत बड़ी आबादी ओबीसी, दलितों की ऐसी हैं जिन्हें सरकारी नौकरियों में अकोमडेट कर पाना संभव नहीं दिख रहा है. ऐसे में क्या होगा? फिर वहीं, राम विलास पासवान वाली मांग की प्राइवेट सेक्टर आखिर आरक्षण से अछूता क्यों रहे? 21 दिसंबर 2021 प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो का एक प्रेस रिलीज कहता है कि निजी क्षेत्र में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए 2006 में प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा बनाई गयी थी. अब तक समन्वय समिति की 9 बैठकें हो चुकी हैं. पहली समन्वय समिति की बैठक में, यह कहा गया कि अफर्मेटिव एक्शन के मुद्दे बेहतर परिणाम पाने का सबसे अच्छा तरीका इंडस्ट्री द्वारा स्वैच्छिक कार्रवाई ही है. इस रिलीज के मुताबिक, निजी क्षेत्र में आरक्षण के संदर्भ में, उद्योग प्रतिनिधियों का मानना है कि आरक्षण कोई समाधान नहीं है, लेकिन वे हाशिये पर खड़े वर्ग, विशेषकर एससी और एसटी के लिए वर्तमान भर्ती नीति को विस्तारित करने में सरकार और एजेंसियों

के साथ साझेदारी करने के इच्छुक हैं और साथ ही कौशल विकास और प्रशिक्षण को प्रोत्साहित किया जाएगा. इसके अलावा, शीर्ष उद्योग संघों ने समावेशन के लिए अपनी सदस्य कंपनियों के लिए स्वैच्छिक आचार संहिता (वीसीसी) भी तैयार की है. बहरहाल, अभी तक सरकार या निजी क्षेत्र ने सीधे प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण को स्वीकार तो नहीं किया है, लेकिन इस दिशा में बात आगे बढ़ती दिख रहे है. 2016 में जो मांग राम विलास पासवान ने रखी थी, वो मांग खत्म नहीं हुई है और न ही उसे पूरी तरह नकार दिया गया है, बल्कि उस मांग पर धीरे-धीरे ही सही लेकिन सकारात्मक रूख के साथ बात आगे बढ़ रही हैं. ऐसे में, जब इस वक्त विपक्षी गठबंधन इंडिया कास्ट सर्वे ले कर आता है, आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी की बात करता है, तब ये हिस्सेदारी केवल राजनैतिक हिस्सेदारी तक सीमित हो कर रह जाएगी, मेरा ऐसा मानना नहीं है, बल्कि यह मांग एक कदम आगे बढ़ते हुए आरक्षण की सीमा बढ़ाने और साथ ही प्राइवेट सेक्टर में भी आरक्षण तक पहुंचेगा. अब यह देखना दिलचस्प होगा कि यह मांग राहुल गांधी उठाते हैं, नीतीश कुमार उठाते हैं, लालू प्रसाद यादव उठाते है या चिराग पासवान, जिनके पिता ने कमोबेश इस मांग की नींव रखी थी. हरियाणा का उदाहरण हमारे सामने है, जहां मनोहर लाल खट्टर की सरकार ने हरियाणा में लगाने वाले इंडस्ट्री में 75 फीसदी स्थानीय लोगों को आरक्षण देने का कानून बनाया है. यह कानून तीस हजार रूपये से कम के पदों के लिए लागू होता है. शुरू में इस कानून पर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने रोक लगाई लेकिन सुप्रीम कोर्ट से यह रोक हट गया, लेकिन मामला अभी भी हाई कोर्ट में चल रहा है। और इस कानून के पास होने के बाद भी इसका क्रियान्वयन अब तक नहीं शरू हो सका है. हाई कोर्ट द्वारा पूछे जाने पर भी केंद्र ने अपनी तरफ से इस मुद्दे पर कोई जवाब नहीं दिया है (12 जुलाई, 2023 तक की स्थिति)

अमेरिका में हर दिन कुछ न कुछ अनहोना

श्रुति व्यास

अमेरिका में ऐसा बहुत कुछ हो रहा है जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। डोनाल्ड ट्रंप देश के पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन पर 91 आपराधिक आरोप हैं और इस बात की प्रबल संभावना है कि उन्हें जेल के सींखचों के पीछे जाना पड़े। और अब एक नया अनहोना मामला है हाउस ऑफ रिप्रेंसटेटिव्स के स्पीकर कैविन मेकार्थी को पद से हटाने का।

ट्रंप के बाद के दौर में अमेरिका की राजनीति में अराजकता, अनिश्चितता और निष्क्रियता का माहौल है।ध्यान रहे बाइडन ने उथल-पुथल भरी नाटकीय परिस्थितियों में सत्ता संभाली थी, और मेकार्थी भी अफरातफरी के माहौल में 15 दौर के मतदान के बाद स्पीकर बने थे। उन्होंने तब सार्वजनिक तौर पर ट्रंप का शुक्रिया अदा करते हुए कहा था कि ट्रंप द्वारा किए गए टेलिफोन काल्स भी उनकी जीत में मददगार थी।और इस सप्ताह जिस दिन मेकार्थी को उनकी ही पार्टी के कुछ सांसदों द्वारा हटाए जाने की घटना हुई उसी दिन पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के संभावित उमीदवार, धोखाधड़ी के आरोप में अदालत में थे। एक अन्य अदालत में राष्ट्रपति के बेटे हंटर बाइडन मौजूद थे। वे विराजमान राष्ट्रपति की वह पहली संतान है जिस पर आपराधिक मामले में अभियोग लगा है। उन्होंने बन्दूक रखने संबंधी फ़ेडरल कानून के उल्लंघन के मामले में बेकसूर होने का दावा किया।

मेकार्थी के मामले पर लौटें। उनके पद संभालने के एक वर्ष के अंदर ही अति दक्षिणपंथी रिपब्लिकनों ने उनके विरूद्ध कदम उठाना शुरू कर दिया। जाहिरा तौर पर यह अभियान मुख्यत: अहंकार, और इस बात को लेकर द्वेष और क्रोध से प्रेरित था कि उन्होंने डेमोक्रेटस के सहयोग से लघु-अवधि का वित्तीय व्यवस्था संबंधी प्रस्ताव पारित करवाया ताकि सरकार का शटडाउन टाला जा सके।

मेकार्थी को हटाए जाने से रिपब्लिकन पार्टी का भीतरी टकराव सामने आया हैं। अमेरिकी राजनीति भारत की तरह होती जा रही है ङ्क विद्वेषपूर्ण और जिसके बारे मैं यह नहीं कहा जा सकता कि आगे क्या होगा। रिपब्लिकन पार्टी, जो पहले अपने सख्त अनुशासन के लिए जानी जाती थी, को संभालना अब मुश्किल होता जा रहा है। मेकार्थी को हटाने के अभियान का नेतृत्व फ्लोरिडा के मेट गेट्ज और ट्रंपिस्ट फ्रीडम काकस के अन्य अतिदक्षिणपंथी सदस्यों ने किया। स्पीकर के पद की दौड़ में जिम जार्डन और स्टीव जिन्होंने एक बार स्वयं को 'डेविड डयूक' (कू क्लक्स क्लेन के पूर्व नेता) कहा था, सबसे आगे हैं।

जीत जिसकी भी हो, उसे उन्हीं अतिरूढ़िवादियों से निपटना होगा। सरकार के आंशिक शटडाउन का खतरा बना हुआ है, क्योंकि 17 नवंबर के पहले और धन की व्यवस्था जरूरी है। और मेकार्थी को हटाए जाने का असर वाशिंगटन से बहुत दूर तक हुआ है। डेमोक्रेटस ने यूक्रेन युद्ध के लिए रकम की प्रावधान के बिना प्रस्ताव को पारित करने में इस आशा से सहायता की थी कि मेकार्थी इसके लिए अलग से प्रावधान करवाएंगे। पर वैसा नहीं हुआ।

डेमोक्रेटस को रिपब्लिकन्स की आपसी लड़ाई का लाभ मिल सकता है जो अधिकाधिक आत्ममुग्ध और अतिवादी होते जा रहे हैं। लेकिन इससे मतदाता इस नतीजे पर पहुंच सकते हैं कि सभी राजनीतिज्ञ उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं हैं ङ्क और इसलिए कामकाज को पटरी पर लाने के लिए एक विध्वंसक और सशक्त व्यक्ति की जरूरत है। ट्रंप को उम्मीद है कि यह धारणा लोगों में बलवती होगी। आखिरकार अमेरिका में कुछ भी क्यों न हो, दुनिया का गुजारा उसके बिना नहीं हो सकता।

केजरीवाल के लिए गंभीर समस्या

अजीत द्विवेदी

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हर मुश्किल को मौका बनाने में माहिर नेता हैं। लेकिन शराब नीति का घोटाला उनके गले की हड्डी बन रहा है। इस मामले में उनके नेता एक एक करके जेल जा रहे हैं और पूरी पार्टी के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। इस खतरे का दायरा इसलिए भी बड़ा हो गया है क्योंकि केजरीवाल के पास जनाधार वाले या राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले नेता नहीं बचे हैं। उन्होंने एक डिजाइन के तहत पार्टी के तमाम संस्थापक नेताओं को या ऐसे नेताओं को, जिनका कोई स्वतंत्र वजूद था उनको बाहर कर दिया। प्रशांत भूषण से लेकर योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, आनंद कुमार आदि की मिसाल दी जा सकती है। उसके बाद उनके पास एमएलए तो बहुत हो गए और राज्यसभा के सांसद भी 10 हो गए लेकिन नेता गिनती के बचे। मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के अलावा ले-देकर गोपाल राय और अब राज्यसभा में जाने के बाद राघव चड्ढा ही ऐसे नेता हैं, जो राजनीति के मैदान में दिखाई देते हैं।

केंद्रीय जांच एजेंसियों ने मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। ये दोनों आम आदमी पार्टी का सबसे मुखर और लोकप्रिय चेहरा थे। सिसोदिया को जेल में आठ-नौ महीने हो गए। निचली अदालत और हाई कोर्ट ने उनकी जमानत नामंजूर कर दी है। लंबा समय बीत जाने और पत्नी की गंभीर बीमारी की दलीलों के बावजूद उनको जमानत नहीं मिली है। अब उनकी जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही लेकिन वहां दूसरी मुश्किल खड़ी होती दिख रही है। सर्वोच्च अदालत ने उलटे एजेंसियों से यह पूछा है कि जब घोटाले का पैसा पार्टी के खाते में गया है तो पार्टी को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया? ध्यान रहे एजेंसियों ने कहा है कि शराब घोटाले का पैसा गोवा के विधानसभा चुनाव में खर्च किया गया। सोचें, अगर इस वजह से पूरी आम आदमी पार्टी ही आरोपी हो जाए तो पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल कितने समय तक बच पाएंगे?

बहरहाल, आम आदमी पार्टी के संस्थापक नेताओं को निकालने के बाद भी केजरीवाल के पास मौका था कि वे मजबूत जनाधार वाले और राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को राजनीति में आगे करते। पार्टी में पद देते, सांसद या विधायक बनाते लेकिन उन्होंने अपनी असुरक्षा में यह काम नहीं किया। उन्होंने बिना आधार वाले निराकार चेहरों को आगे किया। मिसाल के तौर पर दिल्ली से तीन राज्यसभा सदस्य बनाने का उनको मौका मिला तो उन्होंने एक सीट संजय सिंह को दी लेकिन दो सीटों पर सुशील गुप्ता और एनडी गुप्ता को उच्च सदन में भेजा, जिनका कोई राजनीतिक वजूद नहीं है। इसी तरह पंजाब में सात राज्यसभा सांसद बनाने का मौका मिला तो उन्होंने वहां भी क्रिकेटर हरभजन सिंह के अलावा तीन कारोबारियों-अशोक मित्तल, संजीव अरोड़ा और विक्रमजीत सिंह साहनी, एक चुनाव प्रबंधक संदीप पाठक और एक धार्मिक गुरू संत बलबीर सिंह को उच्च सदन में भेजा। वहां से ले-देकर एक राघव चड्ढा हैं, जो राजनीति करते दिखते हैं।

सो, अपने असुरक्षा भाव में केजरीवाल ने जनाधार वाले और राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को या तो किनारे कर दिया या पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने पिछले कुछ दिनों से अपनी महत्वाकांक्षाओं को ताले में बंद करके विपक्षी पार्टियों के साथ संबंध सुधारे हैं। वे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की तीनों बैठकों में बड़े लाव-लश्कर के साथ शामिल हुए। लेकिन मुश्किल यह है कि विपक्षी पार्टियां खुद ही केंद्रीय एजेंसियों की जांच में फंसी हैं। ज्यादातर पार्टियों के खिलाफ वैसे ही कार्रवाई चल रही है, जैसे आम आदमी पार्टी के खिलाफ चल रही है। तृणमूल कांग्रेस से लेकर, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल से लेकर जनता दल यू तक तमाम क्षेत्रीय पार्टियां मुश्किल में हैं। कांग्रेस के भी कई नेताओं पर तलवार लटक रही है। इस मामले में एक मुश्किल यह भी है कि विपक्ष का शायद ही कोई नेता होगा, जिसको केजरीवाल ने अपनी शुरुआती राजनीति के दिनों में भ्रष्ट नहीं ठहराया था। सो, सबके मन में उसकी भी एक गांठ निश्चित रूप से होगी।

अब मुश्किल यह है कि अपनी पार्टी में केजरीवाल इकलौते नेता हैं और उन पर भी शिकंजा कस रहा है। अगर शराब नीति में हुए कथित घोटाले का पैसा पार्टी ने चुनाव में खर्च किया है और अदालत की टिप्पणी के बाद एजेंसियां पार्टी को भी आरोपी बनाती हैं तो सीधे केजरीवाल पर गाज गिरेगी। भारतीय जनता पार्टी ने कहना शुरू कर दिया है कि केजरीवाल के लिए भी हथकड़ी आने वाली है। ध्यान रहे केजरीवाल भाजपा के लिए बाकी किसी भी प्रादेशिक क्षत्रप से ज्यादा बड़ा खतरा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पता है कि केजरीवाल इकलौते नेता हैं, जो किसी भी मामले में भाजपा से बड़ा इवेंट और नैरेटिव क्रिएट कर सकते हैं। वे कितना भी बड़ा झूठ बोल सकते हैं और कोई भी वादा कर सकते हैं। उनके ड्रामे बाकी पार्टियों से अलग होते हैं और जनता में उनकी अपील होती है। ऊपर से अब वे विपक्षी गठबंधन में शामिल हो गए हैं और कम से कम दो राज्यों पंजाब और दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात कर रहे हैं। तभी उनके खिलाफ कार्रवाई की संभावना दिख रही है।तभी सवाल है कि क्या अपनी जान बचाने के लिए वे भाजपा और केंद्र सरकार के साथ कोई डील कर सकते हैं? इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। बसपा, बीआरएस सहित कई पार्टियों के लिए ऐसा कहा जा रहा है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से बचने के लिए उन्होंने अंदरखाने कोई समझौता कर लिया है। केजरीवाल के सामने भी दो रास्ते दिख रहे हैं। पहला रास्ता तो सीधे भिड़ने का है। वे आम आदमी पार्टी के कट्टर ईमानदार और कट्टर देशभक्त पार्टी होने का एजेंडा लेकर सड़क पर उतर सकते हैं। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है। यह टकराव का रास्ता है, जिसमें जोखिम बहुत है। सो, देखना होगा कि केजरीवाल इस पर कितनी देर और कितनी दूर तक टिके रहते हैं। यहां यह ध्यान रखना होगा कि उनके पीछे कोई बड़ी ताकत नहीं है। दूसरी पार्टियां उनकी लड़ाई लड़ेंगी इसमें संदेह है। उनके सामने दूसरा रास्ता चुपचाप समझौता कर लेने का है। अगर वे टकराव बढ़ा कर विपक्षी गठबंधन से बाहर हो जाते हैं और अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर देते हैं तो हो सकता है कि अगले साल के लोकसभा चुनाव तक कुछ राहत मिले।

सार-समाचार

चाकूबाजी कर फरार हुआ आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने दो स्थानो पर चाकूबाजी कर दो लोगों को घायल कर फरार होने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके पास से घटना में प्रयुक्त चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार 27 मई को केलाबाड़ी दुर्ग निवासी मोहम्मद असगर के साथ विवाद के बाद डिपरापारार निवासी बादल सागर ने उसपर चाकू से हमला किया और फरार हो गया था ऐसे की एक दूसरे मामले में आरोपी बादल सागर ने 14 जुलाई को विवाद के बाद डिपरापारा निवासी शेख इदरिश अहमद पर भी चाकू से हमला किया था और फरार हो गया था। दोनों ही मामलों की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने अरोपी के खिलाफ धारा 294,506,323,324,25 बी,27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। वहीं आरापी घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। जिसे रविवार 8 अक्टूबर को पुलिसपार्टी ने पेट्रोलिंग के दौरान पटेल चौक दुर्ग के पास से गिरफ्तार कर लिया गया तथा सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया।

आचार संहिता लगते ही आयुक्त लोकेश चन्द्राकर हुए अलर्ट

दुर्ग। निर्वाचन आयोग द्वारा देश के पाँच राज्यों में आगामी विधान सभा चुनाव होना है।आदर्श आचार संहिता लगने और चुनाव की तारीखें घोषित होने के साथ ही नगर पालिक निगम अमला हरकत में आ गया। सोमवार को निर्वाचन आयोग की ओर से इसकी घोषणा किए जाने के बाद नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम के साथ आदर्श आचार सहिंता का पालन करते हुए नगर निगम के कार्यलय के विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण कर कार्यालय पर सरकार की उपलब्धियां बताने वाले कई बड़े-बड़े बैनर,पोस्टर आदि भी उतरवाया गया।उन्होंने अतिक्रमण विभाग के अधिकारी को निर्देश में कहा कि सभी जगहों पर निरीक्षण कर शहर क्षेत्र के अंतर्गत मुख्य चौराहों के बिजली के खंबो में सार्वजनिक स्थानों से होर्डिंग्स,बैनर,पोस्टर आदि प्रचार सामग्रियों को हटवाना आज ही शुरू कर करवाये।निगम सीमाक्षेत्र के अंतर्गत चर्चित जगहों पर राजनीतिक दलों के होर्डिंग को तेजी से हटाये जाने की बात कही।उन्होंने ये भी कहा कि जैसे कि सड़को, गलियों चौक चौराहों व कार्यालयों में शिलान्यास के पत्थर को ढंके की कार्रवाही करें।आज टीम अमला द्वारा शहर के सभी प्रमुख चौराहों लगी प्रचार सामग्री को अधिकारियों टीम की मौजूदगी में हटाया जा रहा है।आज सरकार की उपलब्धियों को दर्शाने वाले होर्डिंग्स आदि को भी उतरवा दिए गए हैं। निगम प्रशासन हरकत में दिखा और होर्डिंग व बैनर जैसी राजनीतिक दलों की प्रचार सामग्री को उतरवाया।प्रचार सामग्रियों से पटे प्रमुख चौराहों से सारे बैनर,पोस्टर को निकलकर नगर निगम ने अपने कब्जे में लिया गया।कार्यालय निरीक्षण के दौरान मौजूद स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,शुभम गोइर,सहायक बाजार अधिकारी थानसिंह यादव,अतिक्रमण सहायक प्रभारी अधिकारी चंदन मनहरे एवं आदि मौजूद थे।

बहुचर्चित एक्सिस बैंक डकैती मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़ । रायगढ़ जिले के बहुचर्चित एक्सिस बैंक डकैती मामले में रायगढ़ पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है । घटना के बाद फरार हुये शेरघाटी गैंग के डकैतों की पतासाजी में सीएसपी अभिनव उपाध्याय के नेतृत्व में बिहार, झारखंड रवाना हुई स्पेशल टीम ने बिहार के गया जिले में रेड कर गैंग के 1 फरार शातिर डकैत अमित दास उर्फ धर्मेन्द्र दास उर्फ प्रजापत को हथियार समेत गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर रायगढ़ लाया गया है । ज्ञात हो कि 19 सितंबर की सुबह शेरघाटी गैंग के डकैतों ने रायगढ़ के ढिमरापुर चौक स्थित एक्सिस बैंक की मुख्य शाखा में डकैती की घटना को अंजाम दिया था जिसमें डकैत बैंक से नकद 4.19 करोड रूपये और 78 पैकेट सोने के जेवरात (वजन- 2 किलो 91 ग्राम) कुल 5.62 करोड़ रूपये लेकर अलग-अलग वाहनों से फरार हो गये थे । मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस के महानिदेशक अशोक जुनेजा द्वारा तत्काल पड़ोसी राज्यों के आला अधिकारियों से संपर्क करते हुए स्थानीय पुलिस को सहायता उपलब्ध कराई तथा आईजी बिलासपुर रेंज श्री अजय कुमार यादव और डीआईजी रामगोपाल गर्ग खुद रायगढ़ में कैंप कर केस की कमान संभालते हुये मॉनिटरिंग हेतु मौजूद रहे जिनके मार्गदर्शन में विभिन्न जिलों के साथ समन्वय बनाते हुए रायगढ़ पुलिस एतिहासिक रूप से शत प्रतिशत बरामदगी करते हुये शेरघाटी गैंग बिहार के 5 डकैत राकेश कुमार गुप्ता, उपेंद्र सिंह ,निशांत उर्फ पंकज कुमार महतो उर्फराजेश दास,राहुल कुमार सिंह व अमरजीत कुमार को गिरफ्तार कर आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया । इसके पश्चात सीएसपी अभिनव के नेतृत्व में स्पेशल टीम द्वारा दो अन्य फरार आरोपी निलेश उर्फनीतिश तथा पवन उर्फप्रकाश को हथियार के साथ एवं घटना में प्रयुक्त बाइक के साथ् गिरफ्तार किया गया था। मामले में गिरफ्तार किये गये 7 आरोपियों से मैराथन पूछताछ में विवेचना टीम द्वारा वारदात में शामिल अन्य फरार 3 आरोपियों का पूरा डिटेल निकाला जा चुका है । एसएसपी सदानंद कुमार लगातार बिहार, झारखंड पुलिस एवं उनके लगाये सूत्रों के संपर्क में हैं तथा सीएसपी रायगढ़ अभिनव उपाध्याय अपनी पिछली रेड के दौरान फरार आरोपियों के संबंध में तैनात किये गए स्थानीय मुखबीर के संपर्क में हैं

छ.ग. कोलाहल नियंत्रण व ध्वनि प्रदूषण अधिनियम का करना होगा पालन

निर्वाचन के दौरान सशर्त ध्वनि विस्तारक यंत्रो की अनुमति

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के द्वारा विधान सभा निर्वाचन-2023 की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो चुकी है। चूंकि निर्वाचन के दौरान सभी अभ्यर्थी, राजनैतिक दल, के कार्यकर्ता तथा उनसे सहानुभूति रखने वाले व्यक्ति प्रचार-प्रसार के लिये ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग करते हैं। इन ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग न केवल स्थायी रूप से होता है, वरन विभिन्न वाहनों यथा जीप, कार, ट्रक, टेम्पो, तिपहिया स्कूटर सायकल, रिक्शा आदि पर घूम-घूम कर या स्थिर रखकर भी होता है। ये वाहन सभी गलियों, सड़कों एवं उप गलियों पर चलते हैं तथा गाव, बस्तियों, मोहल्लों एवं कालोनियों से बहुत ऊँची आवाज में लाउड स्पीकरों से प्रसारण करते हुए जाते हैं। लाउडस्पीकरों का ऊँची आवाज में प्रयोग करने से विद्यार्थी वर्ग का अध्ययन बाधित होता लाउड स्पीकरों पर अबाध रूप से किये जाने वाले शोरगुल से वृद्ध, दुर्बल बीमार व्यक्ति को, चाहे वह किसी चिकित्सालय संस्थान में हो या घर में हो, बहुत परेशानी होती है।

इसी पर प्रकाष डालते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने बताया कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग को पूर्ण रूप से रोका नहीं जा सकता है, क्योंकि ध्वनि विस्तारक यंत्र निर्वाचन प्रचार एवं जनसमूह के बीच अपने विचार व्यक्त करने के साधनों में से एक साधन है परंतु विषम समय में, विषम स्थान पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अविवेकपूर्ण ऊँचे स्वरों पर अवैधानिक प्रयोग जिससे जनमानस की शांति एवं स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता हो की अनुमति दिया जाना उचित नहीं है।

अतएव उपरोक्तानुसार वर्णित तथ्यों के प्रकाश में सभी पहलुओं पर विचार करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने विधान सभा निर्वाचन, 2023 की प्रक्रिया पूर्ण होने तक कानून व्यवस्था एवं चुनाव संबंधी आचार संहिता का पालन समुचित तरीके से हो सके, इस हेतु छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 की धारा-5 एवं ध्वनि प्रदूषण (नियंत्रण एवं नियमन) नियम 2000 के प्रावधानों के अनुसार निम्नांकित शर्तों के अधीन सूरजपुर जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का चलाया या चलवाया जाना प्रतिबंधित किया जाता है। जिले के ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में रात्रि 10:00 बजे से प्रात: 8:00 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग किया जाना अथवा करवाया जाना पूर्ण रूप से निषिद्ध होगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग चुनाव प्रचार करने के लिए वाहनों पर एवं चुनावी सभाओं में, नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रात: 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक ही सक्षम अधिकारी की अनुमति पश्चात् किया जा सकेगा, किन्तु ऐसे ध्वनि विस्तारक यंत्र साधारण किस्म के होंगे एवं छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 एवं ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के अनुसार अनुज्ञेय सीमा में ही प्रयोग किये जायेंगे। लोक परिशांति को देखते हुए लम्बे चोंगे वाले लाउड स्पीकरों का प्रयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाता है वाहनों एवं चुनावी सभाओं में एक से अधिक लाउड स्पीकर समूहों में लगाया जाना भी प्रतिबंधित किया जाता है।

चुनावी सभाओं एवं चुनाव प्रचार करने के लिए वाहनों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग हेतु अनुमति के जिला मुख्यालय में कलेक्टर कार्यालय में भंडारी श्री नरेंद्र पैकारा, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी, सूरजपुर को सम्पूर्ण सूरजपुर जिला के लिए सक्षम प्राधिकारी घोषित किया जाता है। अनुविभाग प्रतापपुर क्षेत्र के आवेदक अनुविभागीय दण्डाधिकारी, प्रतापपुर के समक्ष तथा तहसील बिहारपुर क्षेत्र के आवेदक तहसील बिहारपुर में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अनुविभागीय दण्डाधिकारी, प्रतापपुर एवं तहसीलदार, बिहारपुर उक्त आवेदनों की जांच कर अभिमत सहित प्रतिवेदन अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी, सूरजपुर को प्रेषित करेंगे। ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग से पूर्व सक्षम प्राधिकारी से लिखित पूर्वानुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। साथ ही मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन न हो, यह भी अनुमति प्राप्तकर्त्ता सुनिश्चित करेंगे।

वाहन से प्रचार करते समय अनुमति के साथ वाहन का पंजीयन रखना अनिवार्य होगा तथा बिना अनुमति लाउड स्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग या अनुमति में निर्दिष्ट अवधि व्यतीत हो जाने के पश्चात स्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करते पाए जाने की दशा में ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं वाहन जब्त कर लिया जावेगा तथा दोषी के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में प्रात: 8:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त कर सामान्यत किया जा सकता है, परन्तु शैक्षणिक संस्थाओं, चिकित्सालय, नर्सिंग होम न्यायालय परिसर शासकीय कार्यालय छात्रावास, नगर पालिका परिषद, जनपद पंचायत एवं किसी अन्य स्थानीय निकाय कार्यालय, बैंक, पोस्ट ऑफिस, दूरभाष केन्द्र आदि से 200 मीटर की दूरी के भीतर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग सामान्य स्थिति में पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाता है। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों, राजनैतिक दलों के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 तथा अन्य सुसंगत विधि अनुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी। यह प्रतिबंध निर्वाचन प्रक्रिया की समाप्ति तिथि तक सम्पूर्ण सूरजपुर जिले में प्रभावशील रहेगा

आदर्श आचरण संहिता हो चुकी है प्रभावशाली

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर विधानसभा निर्वाचन 2023 कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरश: पालन हो, इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल के द्वारा सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें उपस्थित अधिकारियों को नियमावली से अवगत कराते हुए बताया गया कि निर्वाचन के दौरान राजनैतिक दलों एवं उनके अभ्यर्थियों द्वारा चुनाव प्रचार करने के लिए शासकीय, अशासकीय भवनों पर नारे लिखे जाने तथा विद्युत एवं टेलीफोन के खंभों पर चुनाव प्रचार से संबंधित झंडिया लगाये जाने के कारण शासकीय, अशासकीय सम्पत्ति का स्वरूप विकृत हो जाता है।

छत्तीसगढ़ सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम 1994 की धारा 03 में निहित प्रावधानानुसार ''कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति के स्वामी की लिखित अनुज्ञा के बिना सार्वजनिक दृष्टि में आने वाली किसी सम्पत्ति को स्याही खड़िया, रंग या किसी अन्य पदार्थ से लिख कर या चिन्हित कर के उसे विरूपित करेगा, वह जुर्माने से जो एक हजार रूपया तक का दण्डनीय होगा। इस अधिनियम के अधीन दण्डनीय कोई भी अपराध संज्ञेय होगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, सम्पत्ति विरूपण के संदर्भ में राज्य में प्रचलित विधि के प्रावधानों के अनुसार कठोर कार्यवाही किया जाना है। अत: एतद् द्वारा निर्देश दिया जाता है कि छत्तीसगढ़ सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1994 के प्रावधानों का कठोरता पूर्वक अनुपालन सुनिश्चित करते हुए प्रभावी कार्यवाही की जाये। सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों अथवा चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा शासकीय एवं अशासकीय भवनों की दीवालों पर किसी भी प्रकार के नारे लिख कर विकृत किया जाता है, तो उनके विरूद्ध छत्तीसगढ़ सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम 1994 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जायेगी। ग्राम व नगर में पर्याप्त संख्या में टीम का गठन किया गया है। टीम सघन भ्रमण कर विरूपित संपत्ति को सम्पत्ति विरूपण करने वाले के व्यय पर पूर्व स्वरूप में लाएगी तथा टीम द्वारा सम्पत्ति विरूपण करने वाले तत्वों के विरूद्ध अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत एफआई.आर. दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी। यदि किसी राजनैतिक दल या निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी द्वारा किसी निजी सम्पत्ति को बिना उसके स्वामी की लिखित सहमति के विरूपित किया जाता है, तो निजी सम्पत्ति के स्वामी द्वारा सम्बन्धित थाने में सूचना दर्ज कराने के बाद गठित टीम निजी सम्पत्ति को विरूपित होने से बचाने की कार्यवाही करेगा एवं सम्बन्धित थाना प्रभारी प्रदत्त सूचना रिपोर्ट पर विधिवत् जांच कर सक्षम न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया जायेगा। इसी प्रकार किसी धार्मिक स्थल का उपयोग किसी भी में रूप में चुनाव प्रचार-प्रसार के लिये नहीं किया जायेगा। थाना प्रभारी द्वारा सम्पत्ति विरूपण से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों पर तत्काल एफआई. आर दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ की जायेगी सम्बन्धित टीम शिकायत या उन्हें प्राप्त सम्पत्ति विरूपण के प्रकरणों को पृथक पंजी में दर्ज करेगी एवं विरूपित संपत्ति की फोटोग्राफी व विडियोग्राफी जमा कराई जयेगी।

कवर्धा में अकबर ने दिखाए भाजपा को तेवर..., कई लोगों का कराया कांग्रेस प्रवेश

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के वन एवं परिवहन मंत्री और कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर ने बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस में प्रवेश करवा कर भाजपा को अपने इरादे बता दिए हैं। भाजपा ने आज ही अपनी दूसरी सूची जारी कर प्रदेश भाजपा महामंत्री विजय शर्मा को कवर्धा से मैदान में उतारा है। मंत्री मो. अकबर ने 34 लोगों को कांग्रेस पार्टी का तिरंगा गमछा पहनाकर पार्टी प्रवेश करवाया। मिली जानकारी के मुताबिक मंत्री मो. अकबर में उसरवाही के लोगों को कांग्रेस पार्टी का तिरंगा गमछा पहनाकर पार्टी में प्रवेश दिलाया और बधाई दी। कवर्धा सीट से कांग्रेस से प्रबल दावेदार मो. अकबर हैं। अभी कांग्रेस ने प्रत्याशी घोषित नहीं किया है।

दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर रामचरितमानस गायन वादन प्रतियोगिता का आयोजन

ग्राम पंचायत धरसेड़ी में श्री सार्वजनिक नवयुवक दुर्गा मंडल प्रांगण में कार्यक्रम संपन्न होगा

तीन दिनों तक चलेगा रामचरित मानस गायन वादन प्रतियोगिता

नन्दू यादव

सूरजपुर ।। भारत भास्कर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ओड़गी मुख्यालय के लगे ग्राम पंचायत घरसेड़ी मैं सार्वजनिक नवयुवक दुर्गा मंडल के द्वारा 9 दिनों तक धूमधाम से दुर्गा पूजा मनाने का संकल्प लिया गया इसके पश्चात 16 से 18 अक्टूबर तक रामचरितमानस गायन प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है जिसमें प्रथम पुरस्कार मानस मंडली को 5100,द्वितीय 3100 ,तृतीय 2100, महिला मंडली प्रथम पुरस्कार 3100, द्वितीय पुरस्कार 2100, तृतीय, 1500, बाल मंडली प्रथम 2100, द्वितीय 1500, तृतीय,1100, बालिका मंडली को प्रथम पुरस्कार 2100,द्वितीय पुरस्कार 1500,तृतीय पुरस्कार ,1100 नगद पुरस्कार दिया जाएगा इस मौके पर समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार साहू के द्वारा बताया गया कि प्रतियोगिता में नियम और शर्तें रखे गए हैं, जिसमें भारतीय परिधान एकरूपता धारण करना अनिवार्य होगा ,निर्णायकों का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान होगा ,प्रत्येक मंडली के लिए निर्धारित समय 25 मिनट होगा ,प्रत्येक मंडलों को प्रवेश क्रम अनुसार भाग लेना अनिवार्य होगा, प्रवेश शुल्क मानस मंडली ,151, महिला मंडली एवं बाल एवं बालिका मंडली 101, प्रवेश की अंतिम दिनांक 14,10,2023, शाम 8:00 बजे तक प्रवेश ले सकते हैं इसके पश्चात श्री साहू के द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत एवं मुख्यालय वासी के सहयोग से हमारे ग्राम पंचायत में हर वर्ष बड़े धूमधाम से पूजा आराधना की जाती है जिसमें बढ़ चढ़कर ग्राम वाशी हिस्सा लेते हैं कार्यकारिणी उपाध्यक्ष अरविंद देवांगन, सचिन शिवक सिंह नेताप शिक्षक , सह सचिव शांता प्रसाद राजवाड़े , कोषाध्यक्ष श्याम लाल यादव, सह कोषाध्यक्ष मनोज कुमार यादव शिक्षक , मार्गदर्शक जनपद सदस्य नमस्ते सिंह , सहदेव सिंह, चैतराम सिंह, सरपंच घरसेड़ी ,राम सिंह सरपंच करी , रामविलास सरपंच कुप्पी, धनेश्वर सिंह, सरपंच सांवारवां, रूपनारायण सरपंच गोविंदगढ़, मोतीलाल सिंह उप सरपंच प्रवक्ता जितेंद्र यादव ,एवं काफी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि इस कार्यक्रम में अपना सक्रिय योगदान देंगे

चुनाव अवधि के दौरान शस्त्र लाइसेंस धारियों से जमा कराया जायेगा शस्त्र

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर विधान सभा निर्वाचन-2023 की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो चुकी है। शांतिपूर्ण चुनाव हेतु शस्त्र लायसेंसधारियों के शस्त्र, चुनाव अवधि के दौरान जमा कराया जाना अति आवश्यक है। उपरोक्त स्थिति को

दृष्टिगत रखते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने बताया कि सूरजपुर जिले में निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने तथा लोक शांति व आम व्यक्ति की सुरक्षा हेतु सीमित अवधि के लिए सूरजपुर जिले के सम्पूर्ण क्षेत्र शस्त्र लायसेंसधारियों से शस्त्र जमा करवाया जायेगा, ताकि चुनाव प्रक्रिया के दौरान भय व आतंक का वातावरण निर्मित न हो सके तथा इन शस्त्रों का दुरूपयोग होने से रोका जा सके। अत: दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 (1) एवं (2) एवं आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस आदेश की कंडिका 3 व कंडिका 4 में उल्लेखित व्यक्तियों, संस्था को छोड़कर सूरजपुर जिले के सीमा क्षेत्र के भीतर रहने वाले अन्य समस्त शस्त्र लायसेंसधारीयों के शस्त्र लायसेंस को 9 अक्टूबर से निर्वाचन प्रक्रिया समाप्ति तक तत्काल प्रभाव से अपने-अपने अस्त्र-शस्त्र सहित निकटतम पुलिस थाना में 07 दिवस के भीतर जमा करें।

यह आदेश सूरजपुर जिले में निवासरत सभी लायसेंसधारियों तथा बाहर के जिले से आये लायसेंसधारियों पर भी लागू होगा। सभी लाइसेंस धारी आचार संहिता समाप्त होने के उपरांत अपने अस्त्र-शस्त्र वापस प्राप्त कर सकेंगे। इस आदेश से जिला सूरजपुर के क्षेत्र अंतर्गत समस्त शासकीय सेवाओं में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी को शासकीय कार्य सम्पादन हेतु प्रदायित शस्त्र मान्यता प्राप्त बैंकों के सुरक्षा गार्ड, वित्तीय संस्थाओं के सुरक्षा गार्ड, संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति राष्ट्रीय रायफल संघ तथा सूरजपुर जिले के क्षेत्र में औद्योगिक संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों एवं महत्वपूर्ण शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्थानों के सुरक्षा हेतु तैनात सुरक्षा गार्ड मुक्त रहेंगे। ऐसे अनुज्ञप्तिधारी व्यक्ति, जिनके पास सुरक्षा के लिहाज से शस्त्र होना अति आवश्यक है, अनुज्ञप्तिधारी के आवेदन पर जिला स्तरीय गठित स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा विचार उपरांत इस आदेश से मुक्त रखने अथवा नहीं रखने के संबंध में निर्णय लिया जा सकेगा। जिला स्क्रीनिंग कमेटी को दिये जाने वाले आवेदन कलेक्ट्रेट सूरजपुर के लायसेंस शाखा में दिया जा सकेगा।

उक्त कंडिका में उल्लेखित वे सभी अनुज्ञप्तिधारी, जिन्हें इस आदेश से मुक्त रखा गया है, को भी अपने अस्त्र-शस्त्र की सूचना संबंधित थाने में अनिवार्य रूप से तत्काल देनी होगी तथा अपने अस्त्र-शस्त्र बिना थाना प्रभारी की अनुमति के अपने परिसर की सीमा क्षेत्र से बाहर नहीं ले जा सकेंगे। 09 अक्टूबर से निर्वाचन प्रक्रिया की समाप्ति (विधान सभा निर्वाचन, 2023) तक सूरजपुर जिले के सीमा क्षेत्र के भीतर रहने वाले शस्त्र लायसेंसधारियों (इस आदेश के कंडिका 3 व कंडिका 4 में उल्लेखित व्यक्तियों संस्था को छोड़कर) के शस्त्र संबंधित क्षेत्र के थाने में जमा रहेंगे। संबंधित थाना प्रभारी यह सुनिश्चित करेंगे कि इस तरह जमा किये जाने वाले शस्त्र का उचित रूप से पंजी बनाकर उसमें जमा किये जाने वाले शस्त्रों को इन्द्राज करेंगे और शस्त्र जमा करने वाले को इस संबंध में पावती देंगे जमा कराये गये शस्त्रों का समुचित रूप से अपने अभिरक्षा में सुरक्षित रखेंगे एवं निर्वाचन प्रक्रिया के समाप्ति के पश्चात् एक सप्ताह के अंदर संबंधित अनुज्ञप्तिधारियों को शस्त्र लौटाना सुनिश्चित करेंगे।

ब्रीफ न्यूज

अमेरिकन एयरलाइंस पायलट संघ इजराइल के लिए नहीं भरेगा उड़ान

वाशिंगटन । अमेरिकन एयरलाइंस के पायलट संघ ने गाजा पट्टी में इजराइलियों और फलस्तीनियों के बीच जारी युद्ध का हवाला देते हुए अपने सदस्यों से इजराइल के लिए उड़ान नहीं भरने का आह्वान किया है। संघ के अध्यक्ष एड सिशर ने सदस्यों को भेजे ईमेल में कहा है कि विमानन कंपनी के पायलट को इजराइल के लिए तब तक उड़ान नहीं भरनी चाहिए, जब तक कि उन्हें क्षेत्र की सुरक्षा के बारे में आश्वस्त नहीं कर दिया जाए। ईमेल में अमेरिकी विदेश मंत्रालय की हालिया सलाह का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि इजराइल में वर्तमान स्थिति अप्रत्याशित बनी हुई है और मोर्टार एवं रॉकेट के जरिये हमले बिना किसी चेतावनी के किसी भी समय हो सकते हैं, जिससे विमान खतरे में पड़ सकते हैं।

फ्रिज में रखे चिकन नूडल्स खाने से लड़का हुआ अपाहिज

लंदन । एक लड़के ने बचे हुए चिकन नूडल्स को फ्रिज में रख दिया और अगले दिन उसे निकालकर फिर से खाने लगा। खाने के बाद ही उसका जो हाल हुआ कि वह अपाहिज हो गया। लड़के की इस गलती ने उसे अपने पांव पर चलने लायक नहीं छोड़ा। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन की रिपोर्ट के आधार पर जेसी नाम के लड़के की कहानी दुनिया के सामने आई। जेसी के रूममेट ने रेस्टोरेंट से चिकन नूडलल्स मंगाया था। उसने खुद नूडल्स खाए और बचे हुए नूडल्स को फ्रिज में रख दिया। अगले दिन जेसी ने वही चिकन नूडल्स खा लिए। खाने के थोड़ी देर बाद ही उसे तेज़ बुखार आ गया और उसके दिल की धड़कनें 166 बीट्स/मिनट हो गई। उसकी बिगड़ती तबियत देखकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे तुरंत बेहोश कर दिया।

यूक्रेन युद्ध में भारत को अमेरिका के साथ देखना चाहते हैं भारतीय-अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन । यूक्रेन युद्ध में भारतीय-अमेरिकी सांसद भारत को अमेरिका के साथ देखना चाहते हैं। यही वजह है कि भारतीय-अमेरिकी सांसद यूक्रेन को सैन्य सहायता के मुद्दे पर बंटे हुए हैं। लेकिन वे रूस के साथ अपने लंबे और ऐतिहासिक संबंधों के बजाय भारत को अमेरिका के साथ जुड़ने के आह्वान पर कुछ हद तक एकजुट हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिनिधि सभा के चार भारतीय-अमेरिकी सदस्यों में से एक रो खन्ना ने मार्च 2022 में कहा ?कि संयुक्त राज्य अमेरिका रूस या पुतिन की तुलना में नियंत्रण रेखा पर चीनी आक्रामकता के खिलाफ कहीं अधिक खड़ा होगा और हमें वास्तव में भारत पर दबाव डालने की जरूरत है कि वह रक्षा सौदों के लिए रूस पर निर्भर न रहे और यूक्रेन में पुतिन की आक्रामकता की निंदा करने के लिए तैयार रहे।

घमंडिया फाइल्स की पांचवी सीरीज जारी कर एनसीपी पर किया हमला

नई दिल्ली । भाजपा ने विपक्षी गठबंधन में शामिल एनसीपी (शरद पवार गुट) को नेशनल कम्युनल पार्टी बताकर आरोप लगाया है कि एनसीपी और उसके नेता तुष्टिकरण की राजनीति और सनातन का विरोध करते रहे हैं। भाजपा ने विपक्षी दलों के आईएनडीआईए गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों पर प्रहार करने के लिए घमंडिया फाइल्स की एक नई सीरीज शुरू की है। इस सीरीज के तहत भाजपा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पांचवा एपिसोड जारी कर एनसीपी की आलोचना कर कहा, घमंडिया फाइल्स के पांचवें एपिसोड में देखिए। कैसे, आई.एन.डी.आई. गठबंधन में शामिल एनसीपी व उसके नेता हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति और सनातन का विरोध करने में लगे रहे।

भारत में चीनी सेना की घुसपैठ पर हाई कोर्ट में सुनवाई

सुब्रमण्यम स्वामी का दावा- लद्दाख की 4000 वर्ग किमी जमीन हड़पी

नई दिल्ली,एजेंसी

भारत में चीनी सेना की घुसपैठ को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार के तीन मंत्रालयों को नोटिस जारी किया है। इसमें गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय शामिल हैं। यह नोटिस बीजेपी नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी की याचिका पर जारी हुआ। याचिका में स्वामी ने कहा है कि लद्दाख में चीनी आर्मी ने 4000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा की जमीन हड़प ली है। इसे लेकर उन्होंने पिछले साल नवंबर में के जरिए जवाब मांगा था। जब उन्हें इसका कोई जवाब नहीं मिला तो स्वामी ने कोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट ने अब नोटिस जारी करते हुए इस मामले पर सुनवाई की तारीख 8

जनवरी तय की है। स्वामी ने चीन ने जो जमीन हड़पी उसकी जानकारी के साथ जमीन के नक्शे के बारे में डिटेल जानकारी मांगी थी। स्वामी ने कहा कि उनके आवेदन को अलग-अलग विभागों के बीच ट्रांसफर कर दिया गया था और जवाब देने की समयसीमा समाप्त होने के बाद भी यहां से वहां भेजना जारी रहा। उन्होंने जब पहली बार अपील की तो उसे भी अलग-अलह विभागों में ट्रांसफर किया जाता रहा। इसके बाद स्वामी ने मार्च 2023 में मुख्य सूचना आयोग के सामने दूसरी अपील दायर की। लेकिन उस पर भी कोई जवाब नहीं मिला।

समयसीमा 45 दिन पर जवाब नहीं मिला

स्वामी ने कहा कि हाईकोर्ट्स ने तय किए गए कानून के अनुसार ष्द्धष्ट को 45 दिनों के भीतर सभी दूसरी अपीलों का निपटारा कर देना चाहिए। लेकिन उनकी अपील अभी तक पेंडिंग है। स्वामी ने कहा कि उनके द्वारा मांगी गई जानकारी देश की संप्रभुता और अखंडता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी है। देरी से जानकारी मिलने पर इसकी प्रासंगिकता और जरूरत खत्म हो जाएगी। 1996 में भारत-चीन ने जिस पर सहमति दी थी उसके आगे बढ़कर पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ने भारत की कितनी जमीन हड़प ली है। इसका एक नक्शा भी उपलब्ध कराएं। 1996 में जिस पर सहमति बनी उस के पार बफर जोन या के कारण भारत की कितनी जमीन चीन को सौंप दी गई है कृपया इसका एक नक्शा भी उपलब्ध कराएं। 2014 के बाद से चीन ने भारत की कितनी जमीन हड़पी है कृपया हर साल के अनुसार इसका एक नक्शा उपलब्ध कराएं। 2014 के बाद से चीन ने में भारत की कितनी जमीन हड़पी है कृपया इसका एक नक्शा उपलब्ध कराएं।किस समझौते के तहत भारत ने अक्साई चिन इलाके चीन को सौंप दिया था। यदि ऐसा हुआ है तो सौंपे गए इलाका से जुड़े कागजात उपलब्ध कराएं।

नासा का साल 2040 तक चंद्रमा पर घर बनाने का लक्ष्य

कुछ वैज्ञानिक इसे बता रहे हैं असंभव

एजेंसी | वाशिंगटन

क्या चंद्रमा पर इंसान के लिए घर बनने लगेंगे। अगर ऐसा है तो यह कब तक होगा। एक रिपोर्ट

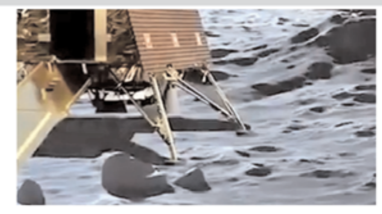

के मुताबिक नासा का ऐसा करने का लक्ष्य साल 2040 का है। जहां कुछ वैज्ञानिक इसे असंभव बता रहे हैं तो वहीं कुछ वैज्ञानिकों को कहना है कि यह पूरी तरह से संभव है। नासा ने यह भी बताया है कि वह इस मुश्किल से दिखने वाला काम को संभव कैसे बनाएगा। चंद्रमा पर जाने का इंसान का सपना नई बात नहीं है, लेकिन करीब छह दशक पहले ही यह असंभव से संभव वाले काम में शामिल हो गया था। जब 1969 में नील आर्मस्ट्रॉन्ग ने चंद्रमा पर पहला कदम रखा था तब भी इस बात पर बहस छिड़ी थी कि क्या चंद्रमा पर बस्ती बसाई जा सकती है और यह बहस आज भी कुछ अलग स्वरूप में जारी है। ,एक रिपोर्ट में बताया गया है कि नासा चंद्रमा पर घर बनाने की योजना बना रहा है।करीब 50 साल पहले अपोलो -17 अभियान के जरिए चंद्रयात्रियों ने वहां 75 घंटों का समय बिताया था। अब नासा का इरादा इंसान को वहां लंबे समय तक रह पाने में सक्षम बनाने का है।

बालासोर ट्रेन हादसे में 28 शव लावारिस

सीबीआई नगर निगम को डेडबॉडी सौंपेगी, आज अंतिम संस्कार किया जाएगा

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा के बालासोर में ट्रिपल टेन एक्सीडेंट को चार महीने हो चुके हैं। इस हादसे में 297 लोगों की मौत हुई थी। जिसमें 269 शवों को उनके घरवाले ले गए। अभी 28 शव ऐसे हैं जिन्हें लेने कोई नहीं आया। अब इन लावारिस शवों के दाह संस्कार का जिम्मा भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) को सौंपा जा रहा है। बीएमसी के अधिकारियों ने 28 अज्ञात शवों को डिस्पोज ऑफ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नगर निगम ने इन शवों को वैज्ञानिक तरीके से डिस्पोज ऑफ करने के लिए एक एसओपी जारी की है।

ऐसे हुआ था हादसा

2 जून की शाम को चेन्नई जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस मेन लाइन की बजाय लूप लाइन में चली गई, जहां मालगाड़ी खड़ी थी। ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई। कोरोमंडल और मालगाड़ी की कुछ बोगियां बगल के ट्रैक पर बिखर गईं। इसके थोड़ी देर बाद ही ट्रैक पर बिखरे डिब्बों से हावड़ा-बेंगलुरु एक्सप्रेस टकरा गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हादसे में 293 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और 1100 से ज्यादा लोग घायल हुए। हादसे में सीबीआई की चार्जशीट में तीन रेलवे अफसरों के नाम हैं। तीनों पर गैर-इरादतन हत्या और सबूत मिटाने के आरोप हैं। इनमें सीनियर सेक्शन इंजीनियर अरुण कुमार मोहंता, सेक्शन इंजीनियर मोहम्मद आमिर खान और टेक्नीशियन पप्पू कुमार शामिल हैं। 7 जुलाई को सीबीआई ने तीनों आरोपियों को अरेस्ट किया था। 11 जुलाई को कोर्ट ने इन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

सीबीआई अधिकारियों की मौजूदगी में निगम को सौंपे जाएंगे शव

बीएमसी मेयर सुलोचना दास ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा- शवों को सीबीआई अधिकारियों की मौजूदगी में निगम को सौंप दिया जाएगा। हम मंगलवार को दाह संस्कार की योजना बना रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि ट्रेन दुर्घटना की जांच कर रही सीबीआई ने खुर्दा जिला कलेक्टर को लेटर लिखकर शवों को डिस्पोज ऑफ करने को कहा था। जून में हुई दुर्घटना के बाद से शव एम्स भुवनेश्वर में रखे गए थे। बीएमसी की तरफ से जारी एसओपी के मुताबिक, पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाएगी।

डीप फ्रीजर कंटेनरों में रखे गए थे शव

एम्स भुवनेश्वर में 162 शव रखे गए थे और उनमें से 81 को मृतकों के परिवार को सौंप दिया गया था। बाद में, डीएनए टेस्ट के बाद अन्य 53 शव परिवार के सदस्यों को दे दिए गए, लेकिन 28 डेडबॉडी को लेने कोई नहीं आया।

हर ऑक्टोपस जन्म से ही होता है अनाथ

कभी अपनी मां का नहीं देख पाता है चेहरा

वाशिंगटन ,एजेंसी

क्या आपको ऑक्टोपस की जिंदगी से जुड़ा एक हैरान करने वाला फैक्ट पता है? दुनिया के लगभग हर ऑक्टोपस का जन्म अनाथ ही होता है। वो कभी अपनी मां का चेहरा नहीं देख पाता। इसकी एक ख़ास वजह है।एक मादा ऑक्टोपस एक साथ कई अंडे देती है। इसके बाद वो अपने अंडों को सेने और उसे प्रोटेक्ट करने में जुट जाती है। इस कोशिश में ही मादा की जान चली जाती है। दरअसल, मादा अपने बच्चे को बचाने के लिए अंडों को लेकर किसी गुफा या छेद में चली जाती है। अंडों से बच्चे निकलने में कई महीने का समय लगता है। इस दौरान मादा अपने अंडों को छोड़कर के लिए भी अलग नहीं होती। भूख और प्यास से आखिरकार जब तक अंडे से बच्चे निकलते, तब तक मादा की मौत हो जाती है।पानी के अंदर अंडे देने के बाद मादा को अपने बच्चों की जान की चिंता रहती है। ये ज्यादातर किसी गुफा में ही अंडे देती है। या फिर किसी चट्टान के नीचे अपने बच्चों को छिपा देती है। वो हर हाल में अपने

बच्चों की जान बचाने की कोशिश में लगी रहती है। इस प्रक्रिया में महीनों से लेकर साल भर का समय लगता है। मादा इस दौरान सिर्फ अपने अंडे की हिफाजत में जुटी रहती है। वो शिकार करने भी नहीं जाती। दरअसल, इन अंडों के कई दुश्मन हैं। ऐसे में मां इन्हें बिलकुल छोड़ने का रिस्क नहीं लेती।जब कई-कई महीने मादा अंडे को नहीं छोड़ती, तब उसके शरीर में खाने की कमी होने लगती है,। पहले मादा का रंग फेड होता है। उसके बाद उसकी बॉडी में कमजोरी आने लगती है। जब तक अंडे से बच्चे निकलते हैं, तब तक मादा की मौत हो जाती है। हालांकि, ऐसा हर मामले में नहीं होता। कुछ ऑक्टोपस अपने बच्चों को छोड़कर शिकार पर भी निकल जाती उनकी जान बच जाती है। लेकिन ऐसी मादाएं वापस अपने बच्चों के पास नहीं आती। ऐसे में वो भी एक तरह से अनाथ ही रह जाते हैं। बता दें कि दुनिया की हर मां अपने बच्चे के लिए खुशियां चाहती है। वो चाहती हैं कि उनका बच्चा स्वस्थ रहे। उसे दुनिया की सारी सुविधा मिले। किसी चीज की कमी उसे ना हो।

प्राचीन यूनानी शहर के नए खंडहर पाए गए, भयंकर बाढ़ से दुनिया के सामने आए खंडहर

त्रिपोली ,एजेंसी

जमीन के नीचे एक प्राचीन यूनानी शहर के नए खंडहर पाए गए हैं। खंडहर देखकर लोग हैरान है। यह खंडहर लीबिया के डर्ना शहर के पास आर्कियोलॉजिकल साइट 'साइरेन' में मिले हैं। जब इलाके में डैनियल तूफान के बाद भयंकर मूसलाधार बारिश हुई और फिर बाढ़ ने पूरे इलाके को तबाह कर दिया। इसी दौरान मिट्टी के कटाव के बाद प्राचीन यूनानी शहर के कुछ नए खंडहर और सामने आए। जानकारी के मुताबिक बाढ़ ने हजारों सालों में पहली बार प्रचीन शहर के लंबे समय से खोए हुए हिस्सों को उजागर किया है। भीषण बारिश के कारण डर्ना शहर

के करीब 2 बांध टूट गए। इससे पूरे इलाके में भयंकर बाढ़ गई है। इस जल आपदा में लगभग 11 हजार लोग मारे गए। वहीं, इन प्राचीन यूनानी खंडहरों को छुपाने वाला मलबा बाढ़ के पानी के साथ बह गया। प्राचीन शहर की स्थापना लीबिया के भूमध्यसागरीय तट पर 631 ईसा पूर्व में एजियन सागर में यूनानी द्वीप थेरा से आए लोगों द्वारा की गई थी। ईसा पूर्व चौथी शताब्दी के दौरान यह सबसे महत्वपूर्ण शहरों में से एक था और भूकंप आने से पहले इस पर रोमनों ने कब्जा कर लिया था। खाली छोड़ दिए जाने के बाद इस प्राचीन शहर को फिर से खोजा गया था। जिसे यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा भी मिला हुआ है।

वैज्ञानिक ने की प्राचीन बेबीलोनियाई टैबलेट की खोज, उकेरा हुआ है 'प्रसिद्ध' थ्योरम का कॉन्सेप्ट

लंदन ,एजेंसी

मैथमेटिशियन ब्रूस रैटनर ने एक प्राचीन बेबीलोनियाई टैबलेट की खोज की है, जिस पर 'प्रसिद्ध' थ्योरम का कॉन्सेप्ट उकेरा हुआ है। मिट्टी की यह गोली पाइथागोरस के जन्म से एक हजार साल पहले की बताई गई है। थ्योरम के सबूत का ट्रांसलेशन वायबीसी 7289 नामक एक मिट्टी की गोली से किया गया था, जिसे 1800 और 1600 ईसा पूर्व के बीच बनाया गया था, जो एक आयत के अंदर एक विकर्ण की लंबाई को पता लगाने के लिए पाइथागोरस थ्योरम के सिद्धांतों का इस्तेमाल करती है। उनका यह खुलासा हैरान कर देने वाला है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि पाइथागोरस ने थ्योरम को नहीं खोजा था। उन्होंने सिर्फ उसके बारे में 'मुंह से सुना' होगा और उसे लोकप्रिया बनाया, लेकिन भी उसे अपना बना लिया। किंवदंती है कि पाइथागोरस ने एक महल हॉल में 'अपने थ्योरम' की खोज की थी। इसके लिए उन्होंने पत्थर की चौकोर टाइलों की स्टडी की और टाइलिंग के भीतर समकोण त्रिभुज का चित्र बनाया। उन्होंने माना कि भुजाओं की लंबाई पर बने वर्गों का क्षेत्रफल कर्ण पर बने वर्ग के बराबर था। इस ऑब्जर्वेशन से, उनका मानना था कि असमान भुजाओं की लंबाई वाले समकोण त्रिभुजों के लिए भी यही सच होगा। इसके कुछ समय बाद, वह डिडक्टिव मैथड से अपने थ्योरम के प्रफू पर पहुंचे।रैटनर ने लिखा, 'पोर्टलैंड सीमेंट से नहीं, बल्कि एक मिट्टी से बनी गोली इस बात का ठोस सबूत है कि पाइथागोरस थ्योरम की खोज और उसे सिद्ध बेबीलोन के मैथमेटिशिन ने यूनानी दार्शनिक पाइथागोरस के जन्म से 1000 साल पहले किया गया था।' रैटनर ने अपनी स्टडी को 2009 में जर्नल ऑफ टारगेटिंग, मेजरमेंट एंड एनालिसिस फॉर मार्केटिंग में पब्लिश कराया था। हालिया खोज से पता चलता है कि 'पाइथागोरस थ्योरम' साहित्यक चोरी का दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात मामला हो सकता है। 570 ईसा पूर्व में जन्मे प्राचीन यूनानी दार्शनिक पाइथागोरस को उस थ्योरम को बनाने के क्रेडिट दिया जाता है, जो समकोण त्रिभुण की मिसिंग साइड पता लगाने में इस्तेमाल की जाती है।

इजराइल पर हुए हमले 10 नेपाली छात्रों की मौत 11 लापता

काठमाण्डू ,एजेंसी। इजराइल पर हुए हमले में नेपाल के 10 छात्रों की मौत हो गई है। इसराइल और हमास के बीच शनिवार से जारी हमलों में अब तक 1000 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2000 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं। इजराइल में नेपाल दूतावास के अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि नेपाल के कई छात्र इजराइल में फंसे हुए हैं। हमास हमले के बाद इजराइल ने सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का आदेश दिया है। इससे पहले नेपाल के विदेश मंत्री एन पी सऊद ने रविवार को कहा कि इजराइल में पढ़ाई कर रहे चार नेपाली छात्र आतंकवादी समूह हमास के हमले में घायल हुए हैं जबकि 11 छात्र लापता हैं। मंत्री ने कहा कि इजराइल के दक्षिणी हिस्से में पढ़ाई कर रहे लापता छात्रों के हताहत होने की आशंका है। गाजा पट्टी पर शासन करने वाले हमास ने शनिवार सुबह इजराइल के दक्षिण में हवा, भूमि और समुद्र से अचानक हमला कर दिया था। इजराइल में सैनिकों समेत कम से कम 1000 लोग मारे गए हैं और 2000 से अधिक घायल हुए हैं। इसे बीते 50 साल में देश में हुआ सबसे भीषण हमला माना जा रहा है।सऊद ने कहा कि 11 नेपाली छात्रों से संपर्क स्थापित नहीं हो सका जिनके हताहत होने की आशंका है।

युध्द में भारत का सहयोग लेगा इजरायल,बताया प्रभावशाली देश

गाजा पट्टी ,एजेंसी

हमास के हमले का मुंहतोड़ जवाब इजरायल दे रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि इस संघर्ष में 1100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच इजरायल ने भारत के समर्थन की भी इच्छा जताई है। इजरायल का कहना है कि भारत आतंकवाद की चुनौती को समझता है। फिलहाल, अमेरिका ने इजरायल की मदद करने का ऐलान किया है। इजरायल पर हमास के चरमपंथियों के हमलों के बीच, भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन ने रविवार को कहा कि उनके देश को भारत से बहुत मजबूत समर्थन की आवश्यकता होगी, क्योंकि वह (भारत) एक प्रभावशाली देश है और आतंकवाद की चुनौती को जानता है। गिलोन ने हमास चरमपंथियों के हमलों को बेवजह किया गया हमला और

अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि इजरायल इस चुनौती से खुद निपटेगा और अपराधियों को दंडित करेगा। इजरायली राजदूत ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अब मध्यस्थता का समय नहीं है और अब आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का समय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमास चरमपंथियों के हमले के मद्देनजर शनिवार को इजरायल के प्रति एकजुटता व्यक्त की थी। मोदी ने इजरायल पर हुए हमास के हमले को आतंकवादी हमला करार देते हुए इसकी निंदा की थी। मोदी ने कहा था, इजरायल में आतंकवादी हमलों की खबर से स्तब्ध हूं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं निर्दोष पीड़ित परिवारों के साथ हैं। इस कठिन घड़ी में हम इजरायल के साथ एकजुटता से खड़े हैं। इजरायल में किए गए हमास चरमपंथियों के हमलों में 600 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 2,000 से अधिक लोग घायल हो गए हैं।

देखते ही देखते म्यूजिक फेस्टिवल में बिछ गई तीन सौ लाशें

हमास की आतंकियों ने जिस तरह से दरिंदगी शुरु की है वो बेहद शर्मनाक है। दुनिया में कई देश इसकी निंदा कर रहे है। यहां से एक और खबर आई जिसने सभी को चौंकाया है। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल में कत्लेआम हो रहा है। गाजा पट्टी के पास एक म्यूजिक फेस्टिवल की साइट से '300 शव बरामद हुए हैं। इजरायल की रेस्क्यू सर्विस जाका का कहना है कि यह आंकड़ा और बड़ा भी हो सकता है। बता दें कि छुट्टी के दिन बड़ी संख्या में लोग म्यूजिक फेस्टिवल में हिस्सा लेने पहुंचे थे। किबुत्ज रीम के पास नेचर पार्टी में हमास के आतंकियों ने खूनी खेल खेला। शनिवार की सुबह एक तरफ आसमान में रॉकेट गरज रही थीं तो दूसरी तरह हमास के आतंकी गोलीबारी कर रहे थे। जान बचाकर भागने वाले लोगों को निशाना बनाकर गोली चलाई जाती और फिर वे ढेर हो जाते। इस तरह आतंकियों ने लाशें बिछा दीं। म्यूजिक फेस्टिवल पर हमास के हमले के वक्त मौजूद एक शख्स के मुताबिक उस वक्त हर तरफ से धमाके और गोलियों की आवाज सुनाई दे रही थी। लोग जान बचाने के लिए इधर उधर भाग रहे थे। एक अन्य शख्स ने बताया कि वह डर के मारे अपने साथियों के साथ एक अनजान कार में चढ़ गए। इसके बाद कार पर भी गोलीबारी हुई और आग लग गई। वे लोग वहां से निकलकर भागे और किसी तरह अपनी जान बचाई। बता दें कि आतंकियों ने बड़ी संख्या में लोगों को बंधक भी बना लिया। इसके अलावा ऐसे भी वीडियो वायरल हुए हैं जिसमें लोगों के साथ दरिंदगी की गई। जर्मनी की एक महिला भी म्यूजिक फेस्टिवल में हिस्सा लेने आई थी। आतंकियों ने उसे नग्न करके गाड़ी में लाद लिया और फिर उसके साथ अत्याचार किया।

सार-समाचार

सड़क दुर्घटना में मृत्यु के प्रकरण में आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

उत्तर बस्तर कांकेर/ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर द्वारा भानुप्रतापपुर तहसील के ग्राम रानवाही निवासी हरसिंह कोला की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने के प्रकरण में उनकी पत्नी श्रीमती जैनीबाई कोला के लिए 25 हजार रूपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कांकेर द्वारा कांकेर तहसील के ग्राम कोदागांव निवासी राकेश पटेल की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनकी पत्नी श्रीमती चित्ररेखा पटेल के लिए 25 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि की गई है।

रक्षा पाइप्स ने अपनी विकासनीति को लेकर किया बड़ा खुलासा, क्षमता में दस गुना वृद्धि का लक्ष्य, कंपनी एग्री-पाइप बाजार पर करेगी ध्यान केंद्रित

रायपुर । पाइपिंग सॉल्यूशंस उद्योग की अग्रणी कंपनी, रक्षा पाइप्स ने अगले पांच वर्षों में अपनी क्षमता को दस गुना बढ़ाने के अपने एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य को घोषित किया। रक्षा पाइप्स, जो शैंड ग्रुप ऑफइंडस्ट्रीज का एक फ्लैगशिप ब्रांड है, इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी एग्री-पाइप बाजार की स्ट्रेटेजी में व्यापक बदलाव कर रही है।रक्षा पाइप्स की कुल 34,000 मीट्रिक टन की पीवीसी, यूपीवीसी और सीपीवीसी पाइपों की वर्तमान उत्पादन क्षमता इस परिवर्तनकारी विस्तार का आधार तैयार करती है।कंपनी का लक्ष्य 2029 तक 3,000 करोड़ रुपये के प्रभावशाली कारोबार को हासिल करना है, जिसमें अनुमानित वार्षिक वृद्धि दर 20 प्रतिशत है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, कंपनी ओडिशा, बिहार और झारखंड जैसे प्रमुख स्थानों में गोदामों के निर्माण की योजना बना रही है। इन गोदामों का उद्देश्य एग्री-पाइप बाजार में कंपनी की पहुंच और प्रदर्शन को बढ़ाना है। बाज़ार की गतिशीलता और रक्षा पाइप्स की सफलता की कहानी- वित्त वर्ष 2023 में, रक्षा पाइप्स ने ?950 करोड़ का राजस्व दर्ज किया, जो कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह कंपनी को एक लाभदायक और ऋण-मुक्त इकाई के रूप में चिह्नित करता है। रक्षा पाइप्स के प्रबंध निदेशक, श्री संजय शैंड ने कहा कि, कंपनी की सफलता कई कारकों के कारण है।

इनमे शामिल हैं - विविध बिक्री वितरण: कंपनी की बिक्री का 50त्न कंस्ट्रक्शंस से, 25 प्रतिशत एग्रीकल्चरल सोल्यूशन्स से और 25 प्रतिशत इंडस्ट्रियल सोलूशन्स बिज़नेस से आता है।

यह विविधता कंपनी को विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करती है। रक्षा पाइप्स अपने उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है। कंपनी की मजबूत प्रतिष्ठा उसे ग्राहकों और स्टेकहोल्डर्स के बीच विश्वास अर्जित करने में मदद करती है। रक्षा पाइप्स के पास 6500 से अधिक डीलरों और वितरकों का एक मजबूत वितरण नेटवर्क है। यह नेटवर्क कंपनी को अपने उत्पादों को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने में मदद करता है।रक्षा पाइप्स का वैश्विक व्यापार 20 से अधिक देशों में फैला हुआ है। यह कंपनी को और दूसरे वैश्विक बाजारों में प्रवेश करने और अपने ब्रांड को बढ़ावा देने में मदद करता है। रक्षा पाइप्स भविष्य में भी विकास के लिए तैयार है। कंपनी एग्री-पाइप बाजार में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमताओं को संरेखित कर रही है।

विधानसभा आम निर्वाचन 2023 : महासमुंद जिले में धारा-144 प्रभावशील

महासमुंद। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 की घोषणा की गई है। विधानसभा निर्वाचन 2023 के घोषित कार्यक्रम अनुसार जिले में 17 नवम्बर 2023 को मतदान एवं 03 दिसम्बर 2023 को मतगणना नियत है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रभात मलिक ने जारी आदेश में कहा है कि सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान जिले में शांति व्यवस्था बनाये रखा जाना है। इसके अतिरिक्त चूंकि पुलिस अधीक्षक, महासमुन्द से भी परामर्श के अनुसार एवं उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत धारा 144 (1) एवं (2) लागू किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रभात मलिक ने आदेश पारित किया है कि सम्पूर्ण महासमुन्द जिले में विधानसभा चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु तत्काल कार्यवाही करना आवश्यक है, ताकि निर्वाचन में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर कर सके। जिसके तहत बिना अनुमति के कोई जुलूस या रैली नहीं निकाली जाएगी। कोई भी व्यक्ति न तो किसी प्रकार का शस्त्र, तलवार, फरसा, भाला, लाठी, चाकू, छुरा, कुल्हाड़ी, गुप्ती, त्रिशुल, खुकरी, सांग एवं बल्लम अथवा अन्य अस्त्र-शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं निकलेगा। अपवाद जो व्यक्ति शासकीय कर्तव्य पर है, ड्यूटी के दौरान अस्त्र-शस्त्र धारण कर सकेंगे। ऐसे वृद्ध/विकलांग जो लाठी के बिना चलने में असमर्थ है, वे लाठी का प्रयोग कर सकते हैं। उन्होंने अपने आदेश में कहा है कि चूंकि यह संकटकालीन तथा आपातकालीन स्थिति एकाएक उत्पन्न हुई है और किसी पक्ष या व्यक्ति को सुनवाई का अवसर देना संभव नहीं है। यह आदेश सर्व साधारण को संबोधित है एवं प्रत्येक जनसाधारण पर तामील किया जाना संभव नहीं है।

उड़नदस्ता, स्थैतिक निगरानी दलो को दिए आवश्यक निर्देश

देर रात्रि कलेक्टर एसपी सहित अधिकारियों के अमले ने किया जिले के चेक पोस्टो का औचक निरीक्षण

चेक पोस्ट में अवैध सामग्री के परिवहन एवं असामाजिक के आवाजाही पर सख्ती से कार्यवाही करने को कहा

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर) 10 अक्टूबर 2023। आदर्श आचार संहिता के प्रभावशील होने के मद्देनजर गत देर रात्रि कलेक्टर विनीत नंदनवार एसपी गौरव राय सहित अन्य अधिकारियों द्वारा जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थापित स्थैतिक निगरानी कैम्प तथा उड़नदस्ता कैम्प का औचक निरीक्षण किया गया। इस मौके पर कलेक्टर ने निगरानी दलों को अपने क्षेत्र में अवैध मदिरा, भारी मात्रा में नगदी हथियार गोला बारूद आवागमन तथा असामाजिक तत्वों के आवाजाही पर रोक लगाने हेतु सख्ती से कार्यवाही करने को कहा। इस क्रम में कलेक्टर एवं एसपी द्वारा पातररास चेक पोस्ट का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार इस आकस्मिक निरीक्षण में उनके द्वारा सुदूर बड़े सुरोखी चेक पोस्ट गीदम फॉरेस्ट नाका जावंगा का भी निरीक्षण किया गया। इसके अलावा गीदम एवं दन्तेवाड़ा मुख्यालय में संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत किए जाने वाले कार्यवाहियों के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इसके साथ ही जिला कार्यालय में निर्वाचन कंट्रोल रूम में पहुंचकर कलेक्टर ने उपस्थित कर्मचारियों के कार्यों का जायजा लिया। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेंद्र ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर आनंद राम नेताम सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि स्थैतिक निगरानी दल के प्रत्येक दल में 01 कार्यकारी मजिस्ट्रेट तथा 3-4 पुलिसकर्मी होंगे यह दल चेक पोस्ट पर कार्य जांच करेगें। कुछ निगरानी दल क्षेत्र की संवेदनशीलता के आधार पर जगह बदल-बदल कर चेक-पोस्ट संचालित करेगें। दल का कार्य अपने क्षेत्र में अवैध शराब, भारी मात्रा में नकदी, हथियार गोला बारूद आवागमन तथा असामाजिक तत्वों के आवाजाही पर नजर रखेगा। इस सम्पूर्ण जांच प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जावेगी और एस.एस.टी. टीम का मजिस्ट्रेट उसी दिन अनुलग्नक 10 (ख) के अनुसार प्रपत्र में जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रतिदिन रिपोर्ट भेजेंगें। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति के बगैर कोई जांच नहीं होगी। जांच के दौरान 50,000 से अधिक नकदी पायी जाती है, वाहन में पोस्टर निर्वाचन सामग्री या कोई मादक पदार्थ, हथियार, 10,000 रुपये मूल्य से अधिक उपहार की वस्तुएं लायी जा रही, या कोई गैर कानूनी वस्तुएं पायी जाती हैं तो जांच कर जब्त की जाएगी। इसकी भी वीडियोग्राफी की जावेगी। स्टार प्रचारक अपने साथ एक लाख रुपये नकदी ले जा रहा है और दलीय पदाधिकारी दल के कोषाध्यक्ष के द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया हैं तो एक प्रति जांच दल अपने पास रखेगा। यदि वाहन में दस लाख रुपये से अधिक नकदी पायी जाती हैं तो एस. एस. टी. दल प्रभारी नकदी जब्त नहीं करेगा, आयकर प्राधिकारी को सूचना देगा। जांच के दौरान यदि किसी अपराध होने की आशंका है तो कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में सी.आर.पी.सी. के प्रावधानों के अनुसार एस. एस.टी. के प्रभारी पुलिस अधिकारी द्वारा नकदी या अन्य की जब्ती की जावेगी। तथा न्यायालय में 24 घण्टे के अंदर प्रस्तुत करेगें।

इसके साथ ही उड़नदस्ता आदर्श आचार संहिता के उल्लघंनों और शिकायतों के सभी मामले पर कार्यवाही करेगें। जिसमें डराने धमकाने, असामाजिक तत्वों, मदिरा वितरण, हथियार, गोला-बारूद, मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए नकदी का लेन-देन आदि शिकायतें शामिल रहेगीं। निर्वाचन की घोषणा किये जाने के बाद राजनीतिक दलों द्वारा किये जाने वाली प्रमुख रैलियों, सार्वजनिक बैठकों अन्य बड़े खर्चों की वी. एस. टी. दल की सहायता से वीडियोग्राफी करायेगें। उड़नदस्ता के अध्यक्ष के तौर पर मजिस्ट्रेट और उड़न दस्ते के अन्य कर्मचारियों का मोबाइल नंबर शिकायत अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष एवं काल सेन्टर में उपलब्ध रहेगा।

स्वीप कार्यक्रम के तहत पीडब्ल्यूडी, खाद्य, वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया जा रहा है मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) 10 अक्टूबर 2023। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत नंदनवार के निर्देशानुसार और सीईओ एवं स्वीप नोडल अधिकारी कुमार बिश्वरंजन के मार्गदर्शन में स्वीप कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं के बीच मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस क्रम में लोक निर्माण विभाग द्वारा मोलसनार में स्वीप कार्यक्रम के तहत 150 घरो में जाकर मतदाताओं को मतदान करने हेतु जागरूक करने के अलावा संकल्प पत्र भरकर हस्ताक्षर लिया गया। इसके साथ ही वन विभाग द्वारा ग्राम धुरली में डोर-टू-डोर सर्वे संपर्क खाद्य विभाग द्वारा ग्रामों में सभी हितग्राहियों के राशन कार्ड में स्वीप का सील लगा कर मतदान के दिन अनिवार्य रूप से वोट करने की शपथ दिलाई जा रही है।

विधानसभा आम निर्वाचन: भयमुक्त एवं प्रलोभन मुक्त होकर अपने मत का उपयोग करने जिले के मतदाताओं से कलेक्टर ने की अपील

अशोक जैन

कांकेर । जिला दण्डाधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार जिले के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मंगलवार 07 नवम्बर को मतदान होगा। भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली में मतदान का बहुत महत्व है। मतदान के माध्यम से जनता शासन व्यवस्था में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करती है। प्रत्येक वयस्क नागरिक का मतदान करना लोकतंत्र की सुदृढ़ता का परिचायक है। मताधिकार हेतु 18 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित है ताकि अधिकाधिक लोग शासन व्यवस्था में भागीदारी कर सकें। भारतीय संविधान ने प्रत्येक व्यस्क नागरिक को अपना प्रतिनिधि निर्वाचित करने के लिए मत देने का अमूल्य अधिकार प्रदान किया है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. शुक्ला ने जिले के समस्त मतदाताओं से अपील की है कि जाति, धर्म या समुदाय के आधार पर नहीं बल्कि साफ-सुथरी छवि वाले योग्य और ईमानदार प्रत्याशी के पक्ष में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान भयमुक्त एवं प्रलोभन मुक्त होकर अपने मत का विवेकसम्मत उपयोग करें।

कलेक्टर ने राजनीतिक दलों की बैठक लेकर दी निर्वाचन कार्यक्रम की जानकारी

महासमुंद। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए सामान्य निर्वाचन की घोषणा करते ही आचार संहिता लागू हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक ने आज मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक ली। उन्होंने बताया कि जिले में भी आचार संहिता तत्काल प्रभावशील हो गया है। निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के अनुसार जिले में द्वितीय चरण में निर्वाचन कार्य सम्पन्न होगा।

मलिक ने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अधिसूचना का प्रकाशन 21 अक्टूबर 2023 को होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2023, नामांकन पत्रों की संवीक्षा 31 अक्टूबर 2023, नाम वापसी की तिथि 02 नवम्बर 2023 एवं मतदान की तिथि 17 नवम्बर 2023, शुक्रवार को होगा। मतगणना 03 दिसम्बर 2023, रविवार को किया जाएगा। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी निर्भय साहू एवं राजनीतिक दलों की प्रतिनिधि मौजूद थे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कंट्रोल रूम, एमसीएमसी कक्ष एवं निर्वाचन से संबंधी अन्य स्थान का लिया जायजा साथ ही सभी तैयारी सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

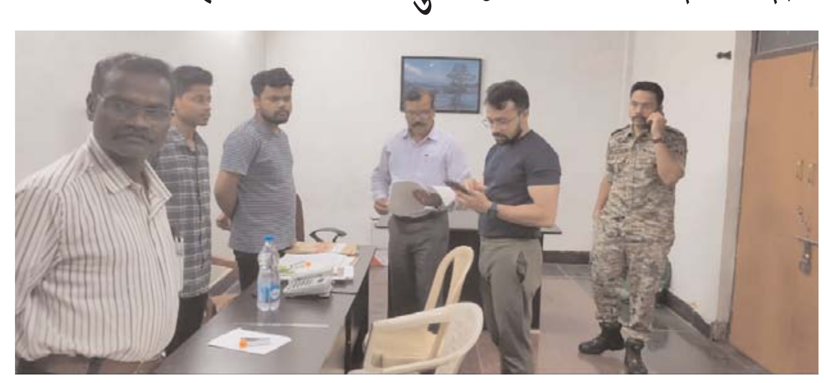

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर) 10 अक्टूबर 2023। विधानसभा निर्वाचन 2023 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत नंदनवार ने 09 अक्टूबर को कंट्रोल रूम, एमसीएमसी कक्ष, निर्वाचन से संबंधी अन्य स्थान का लिया जायजा। उन्होंने कंट्रोल रूम, एमसीएमसी कक्ष का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिया। इसके साथ ही सभी आवश्यक तैयारी समयपूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। सुरक्षा व्यवस्था के बारे में भी जानकारी ली और मीडिया सेंटर तैयार कर मीडिया प्रतिनिधियों के लिये आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गौरव राय, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेंद्र ठाकुर और निर्वाचन दायित्व से जुड़े अन्य अधिकारी मौजूद थे।

विधानसभा आम निर्वाचन- शासकीय, अर्द्धशासकीय विश्राम भवनों, सर्किट हाउस में नहीं ठहर सकेंगे राजनैतिक दल के व्यक्ति

अशोक जैन

कांकेर/ रतर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये कार्यक्रम जारी किये जाने के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। इसके मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने निर्वाचन घोषणा होने की तिथि से निर्वाचन समाप्ति की तिथि के मध्य कोई भी राजनैतिक दल के व्यक्ति, मंत्रीगण, सार्वजनिक उपक्रमों के पदाधिकारी आदि शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विश्राम भवनों, सर्किट हाउस, गेस्ट हाउस आदि में चुनाव प्रचार-प्रसार अथवा राजनैतिक उद्देश्य से न तो ठहर सकेंगे और न ही वहां पर राजनैतिक गतिविधियां कर सकेंगे। पात्रतानुसार तथा उपलब्धतानुसार उन्हें इन विश्राम भवनों, सर्किट हाउस, गेस्ट हाउस आदि में कक्ष उपलब्ध कराया जा सकता है, किन्तु भोजन इत्यादि की व्यवस्था नहीं की जाएगी। इसके अतिरिक्त पात्रतानुसार ठहरने वाले व्यक्ति से निर्धारित राशि जमा कराकर विधिवत रसीद दी जावे। टेलीफोन हेतु पृथक रजिस्टर संधारित करने तथा किये गये काल की निर्धारित राशि तुरन्त प्राप्त करने हेतु आदेश दिया गया है। इसी तरह ठहरने वाले का नाम, पता, ठहरने का प्रयोजन इत्यादि का समस्त ब्यौरा अंकित करने के लिए एक रजिस्टर संधारित करने कहा गया है जिसमें आगन्तुक का नाम, पता, मोबाइल नंबर इत्यादि का समस्त ब्यौरा अंकित किया जावे। जब कभी भी प्रेक्षक या निर्वाचन आयोग के पदाधिकारी उपरोक्त अभिलेखों की मांग करते हैं तो उन्हें अवलोकन हेतु अभिलेख उपलब्ध कराने का आदेश जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी किया गया है।

इसके लिए शासकीय, अर्द्धशासकीय विश्राम भवनों, सर्किट हाउस, गेस्ट हाउस, ऑफिसर्स मेस इत्यादि का आरक्षण जिला मुख्यालय में जिला सत्कार अधिकारी कांकेर द्वारा एवं अनुविभागीय मुख्यालयों में तथा अन्य स्थानों पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा किया जायेगा। कक्षों के आरक्षण निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं उनके कार्यालय के अधिकारी तथा निर्वाचन कार्य से सम्बन्धित अन्य अधिकारी की प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी। साथ ही निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारीगण, प्रेक्षक आदि के लिये कक्ष सदैव आरक्षित रखा जाये। इसके उपरांत यदि कक्ष उपलब्ध रहते हैं, तो अन्य व्यक्तियों को पात्रतानुसार आबंटित किये जा सकते हैं। यह प्रतिबंध निर्वाचन प्रक्रिया समाप्ति तक जिले में प्रभावशील होगा।

80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं को मिलेगी विशेष सुविधा, मतदान केन्द्रों में दी जाएगी प्राथमिकता

अशोक जैन/ कांकेर

विधानसभा निर्वाचन में मतदाताओं की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान दिवस 07 नवम्बर को सभी मतदान केंद्रों में 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ मतदाताओं का सम्मान किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि जिले के मतदान केन्द्रों में वरिष्ठ मतदाताओं हेतु मतदान प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे वे बिना किसी परेशानी के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। ऐसे मतदाताओं को प्राथमिकता के साथ पहले मतदान करने दिया जाएगा, ताकि उन्हें कतार में लगकर इंतजार करना न पड़े। जिले के सभी मतदान केन्द्रों में हेल्प डेस्क में वरिष्ठ मतदाता साथी वरिष्ठ नागरिकों की आवश्यक सहयोग करेंगे। साथ ही उनके लिए मतदान केन्द्रों में रैम्प, व्हील चेयर, पेयजल, शौचालय सहित अन्य सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

रकम दुगना करने का झांसा देकर 20 लाख से अधिक की ठगी

रायपुर। क्रिप्टो करेंसी नेटवर्क मार्केटिंग में पैसा लगाने पर 6 माह में दुगना रकम देने का झांसा देकर 20 लाख से अधिक की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया कुमारी ललीता सोना 34 वर्ष शांतिनगर सिविल लाइन की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि होटल ट्रीटोन तेलीबांधा में आरोपी तेजकुमार पुरी, समीर मिश्रा व सत्यवति दुबे ने प्रार्थिया को क्रिप्टो करेंसी नेटवर्क मार्केटिंग प्रोजेक्टर में पैसा लगाने पर 6 माह में रकम दुगुना करने का झांसा देकर 20 लाख 25 हजार रुपए ले लिए और फरार हो गए। प्रार्थिया की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

प्रीमियम शराब दुकान में लगी भीषण आग

रायपुर। शहर के आबकारी विभाग की प्रीमियम मदिरा दुकान में बीती रात अचानक आग लग गई। इस आगजनी की इस घटना में लाखों की शराब जलकर खाक हो गई। गार्ड के अनुसार यह आगजनी देर रात शॉट सर्किट होने की वजह से आग लगी है। रात में गार्ड ने घटना की सूचना आबकारी विभाग के अमले को दी। लेकिन फिर भी टीम मौके पर नहीं पहुंची। जिसके बाद पुलिस ने फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया। इस आगजनी से लाखों रूपए मूल्य के शराब नष्ट होने की जानकारी सामने आई है। स्टॉक व बिक्री का मिलान करने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि कितने का शराब का नुकसान हुआ है।

नाबालिग का दो साल से करता रहा दैहिक शोषण : गिरफ्तार

रायपुर। जिले के तखतपुर थाना क्षेत्र अंतगत आने वाले ग्राम घुण्डुकापा में एक युवक ने अपने ही नाबालिग रिश्तेदार को धमकाकर अनाचार किया। आरोपी यहीं नहीं रूका बल्कि नाबालिग को जान से मारने की धमकी देकर 2 साल तक दैहिक शोषण करता रहा। सूत्रों मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग को लेकर परिजन थाना पहुंचे और आरोपी युवक शिवशंकर साहू निवासी घुण्डुकापा के खिलाफदुष्कर्म का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराया कि आरोप नाबालिग पुत्री को डरा-धमका कर दो साल से दैहिक शोषण कर रहा है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी पीड़िता का रिश्तेदार है। यही कारण उसका नाबालिग के घर आना-जाना होता था। इसी दौरान नाबालिग को अकेला पाकर उसने पहले दुष्कर्म किया। इसके बाद किसी को इसकी जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी देकर वह पिछले दो साल से लगातार नाबालिग का दैहिक शोषण करता रहा। इससे परेशान होकर पीड़िता ने घटना की पूरी जानकारी अपने परिजनों को दी, व थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार करते हुए धारा 376, 506 भा.दं.वि. एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के अन्तर्गत कार्रवाई किया है।

कार की ठोकर से पैदल चल रहा व्यक्ति गंभीर

रायपुर। नगर के हेमू कलाणी चौक में एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने सड़क पर चल रहे एक व्यक्ति को ठोकर मारकर घायल कर दिया है। हादसे के बाद से ही कार चालक वाहन छोड़कर भाग निकला है। घायल व्यक्ति की उम्र 45 से 50 साल है. हादसे में उन्हें गंभीर चोंट आई है। उसे पेंड्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही लालबाग पुलिस भी पहुंची है। एक्सीडेंट के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि कार की स्पीड 80 से ज्यादा थी. कार 3 ब्रेकर के बाद भी ठोकर मार दी। व्यक्ति को घायल अवस्था में ऑटो वाले ने मेडिकल कॉलेज पहुंचाया है। व्यक्ति के बेहोश होने से उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

तेंदुआ खोल के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर। उदंती सीता नदी टाइगर प्रोजेक्ट के एन्टी पोचिंग टीम ने उड़ीसा के दो लोगों को गिरफ्तार करते हुए उनसे तेंदुआ का खाल बरामद किया है। मामले में 4 अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। ये सभी आरोपी मूलत: ओडिशा के रहने वाले हैं। उदंती सीता नदी टाइगर प्रोजेक्ट के उपनिदेशक वरुण जैन को सूचना मिली थी कि उड़ीसा के 5-6 व्यक्ति मोटरसाइकिल छत्तीसगढ़ में तेंदुआ की खाल बेचने आ रहे थे। इस दृष्टिकोण से उन्होंने राज्य एंटी पोचिंग टीम को सतर्क किया मुखबिर के बताए समय अनुसार 4 मोटरसाइकिल में सवार 5-6 लोग तितल खूंटी गोहरापदर की ओर आ रहे थे जिन्हें रोक गया किंतु यह सभी लोग उल्टा वापस उड़ीसा की ओर भागने लगे। पुलिस ने तत्काल इनका पीछा किया और उड़ीसा के बोडन के पास 2 लोग जो अलग-अलग मोटरसाइकिल में थे, उन्हें पकड़ लिया गया। बाकी 4 लोग भागने में सफल हो गए । मोटरसाइकिल की तलाशी लेने पर उनके पास से एक तेंदुआ की ताजा खाल बरामद हुआ है प्रकरण पर पी.ओ.आर. जारी करते हुए दोनों आरोपियों को देवभोग न्यायालय भेज दिया गया है।

किसान नेता योगेश भाजपा में हुए शामिल

योगेश के भाजपा में शामिल होने से पार्टी की बढ़ेगी ताकत

- राजधानी रायपुर के रावण भाटा में आयोजित समारोह में 10 हजार से अधिक लोग हुए शामिल
- भाजपा में शामिल होकर लोगों की सेवा करने का सौभाग्य मिलेगा : योगेश तिवारी

रायपुर/ संवाददाता

बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के किसान नेता योगेश तिवारी ने राजधानी रायपुर के रावण भाटा मैदान में आयोजित समारोह में भाजपा के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, सांसद सुनील सोनी, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, राजीव लोचन महाराज, पूर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना, सुभाष तिवारी, संजय श्रीवास्तव की मौजूदगी में किसान नेता ने अपने हजारों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। किसान नेता ने कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्मृति चिन्ह से सम्मान किया। समारोह में बेमेतरा विधानसभा से 10 हजार से अधिक लोग शामिल हुए थे। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने संबोधन में कहा आज योगेश तिवारी के साथ हजारों की संख्या में उनके समर्थक आए हैं, सबसे अच्छी बात इतनी बड़ी संख्या में बुजुर्ग भी दिख रहे हैं, युवा भी दिख रहे हैं। मगर सबसे बड़ी उपलब्धि इतनी बड़ी संख्या में हमारी बहन आई है, उनका मैं विशेष स्वागत करता हूं। अब नहीं सहीबो, अब नहीं सहीबो, बदल के रहिबो 2023 में छत्तीसगढ़ में कमल खिलाना है, योगेश तिवारी जैसा हजारों साथियों सहित भाजपा में आता है तो पार्टी की ताकत बढ़ जाती है। समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडविया ने कहा योगेश भाई और विशाल संख्या में उपस्थित सभी युवा और बहनों को पार्टी में स्वागत करता हूं। ऐसी पार्टी में प्रवेश कर रहे हैं, जो भारत माता की जय करने के लिए बनी है। जिस पार्टी में इस नेशन फर्स्ट और व्यक्ति को तीसरे क्रम में माना जाता है। जिस पार्टी का नेतृत्व नरेंद्र मोदी कर रहा है, उस पार्टी का सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। किसान नेता योगेश तिवारी ने कहा कि दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे करीबी नेता मनसुख भाई मांडवीया हम लोग को आशीर्वाद देने आए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के 15 साल की सरकार में हर वर्ग खुश था। आज भी पूर्व मुख्यमंत्री को चाउर वाले बाबा के नाम से जाना जाता है। किसान नेता ने कहा कि कहा 30 साल से राजनीति में हूं और पिछले 8 साल से किसान नेता के रूप में संघर्ष कर रहा हूं। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है, जो पूरे देश की सेवा कर रही है, उस पार्टी में शामिल होकर लोगों की सेवा करने का सौभाग्य मिलेगा।

दिल्ली से जो भी कांग्रेसी आता है वह भू-पे का गुण गाता है-रंजना

- छत्तीसगढ़ में महिलाओं की दशा प्रियंका को नहीं दिखती तो राधिका को क्यों दिखेगी?

रायपुर/ संवाददाता

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विधायक रंजना साहू ने कांग्रेस की मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेरा पर जवाबी हमला बोलते हुए कहा है कि उन्हें बोलने के लिए जो रटाया गया है, वह बोलना उनकी विवशता है। वे एआईसीसी की मीडिया कोऑर्डिनेटर हैं तो मीडिया में छाई छत्तीसगढ़ की असल तस्वीर भी देख लें। छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार की काली करतूतों पर परदा डालने की कोशिश कामयाब नहीं होने वाली। दिल्ली से जो भी कांग्रेसी आता है, वह भूपेश बघेल के मायाजाल में फंस जाता है। हर किसी की आंख पर भू-पे की पट्टी बंध जाती है। जब लड़ने का नारा देने वाली कांग्रेसी लड़की छत्तीसगढ़ की बेटियों के लिए लड़ने की बजाय भूपेश राग अलापती हो तब राधिका खेरा से छत्तीसगढ़ की माताएं, बहनें, बेटियां भला क्या उम्मीद कर सकती हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विधायक रंजना साहू ने कहा कि दिल्ली से आने वाले सारे कांग्रेस नेता भूपेश बघेल की भाषा बोलने बाध्य हैं। सब के सब भू-पे के वश में हैं। भूपेश के झूठ को दोहराना ही इनके छत्तीसगढ़ आने का मकसद है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा को छत्तीसगढ़ में यही काम सौंपा गया है। जबकि हकीकत यह है कि अपराधों के मामले में पूरे देश के परिदृश्य में छत्तीसगढ़ और राजस्थान के बीच कॉम्पटीशन चल रहा है। जैसी हालत राजस्थान में है, वैसी स्थिति छत्तीसगढ़ में है। जब भाजपा शासित किसी राज्य में महिला पर अपराध की घटना घटित हो तो प्रियंका वहां डेरा डाल देती हैं लेकिन छत्तीसगढ़ में फूल सी बेटियों को कुचला जा रहा है तो कई टन गुलाबी पंखुड़ियों को रौंदने वाली राजदुलारी को कोई फर्क नहीं पड़ता। नारी-नारी में भेद कांग्रेस के डीएनए में है।

पीएससी परीक्षा में घोटाले का आरोप, डा. रमन सिंह ने सीबीआई जांच की मांग की

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने राज्य लोक सेवा आयोग में हुए कथित घोटाले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र प्रेषित कयिा है। छत्तीसगढ़ में होने वाले लोक सेवा आयोग की परीक्षा में हर बार लाखों प्रतिभा शाली युवक-युवतियां शामिल होते हैं। सीजीपीएससी में प्रतिवर्ष करीब डेढ़ लाख युवा प्रतिभागी शामिल होते हैं। डा. सिंह ने अपने पत्र में लिखा है कि इतिहास में पहली बार छत्तीसगढ़ में पारदर्शिता को समाप्त कर एक बड़े घोटाले से भाई-भतीजावाद शामिल किया गया है। इससे प्रदेश के युवाओं में भारी निराशा और आक्रोश है। सीजीपीएससी 2021 के परिणाम में शीर्ष 18 नाम, कांग्रेस नेताओं, सीजीपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष और बड़े अधिकारियों के बच्चों और रिश्तेदारों के हैं।

अरुण साव के बयान पर पलटवार

अरूण साव छत्तीसगढ़ की जनता पर एहसान जताना छोड़ दें-सुरेन्द्र

रायपुर/संवाददाता

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिलासपुर सांसद अरुण साव के बयान पर पलट बार करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि अरूण साव यह जान ले कि केंद्र की मोदी सरकार छत्तीसगढ़ से वसूलती ज्यादा है और देती कम है। बिलासपुर रेलवे जोन, जिसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ आता है, वहां से केंद्र की मोदी सरकार हर साल 20 से 22 हजार करोड़ वसूलती हैं। पिछले 5 साल में लगभग 1 लाख करोड़ से अधिक की राशि केंद्र की मोदी सरकार ने केवल बिलासपुर रेलवे जोन से कमाया है लेकिन जब देने की बारी आती है तो मोदी सरकार ने हमेशा ही छत्तीसगढ़ की उपेक्षा ही की है। नई ट्रेन तो छोड़िए पिछले 3 साल में छत्तीसगढ से गुजरने वाली 68 हजार ट्रेन रद्द की गई। मोदी राज में कोई भी हफ्ता ऐसा नहीं गुजरा जब छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली दर्जनों यात्री ट्रेनें रद्द न की गयी हो। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को यात्री ट्रेनों की व्यवस्था दुरूस्त करने दर्जनों पत्र लिखे है लेकिन दलीय चाटुकारिता में बिलासपुर के सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव मौन है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पिछले साढ़े 4 साल में केंद्र की मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ से पेट्रोलियम पदार्थो में सेंट्रल एक्साइज, आयकर, केंद्रीय जीएसटी, केंद्रीय करों में सेस बिलासपुर जोन से रेलवे की कमाई, कोल खनन, आयरनओर, बॉक्साइट टीन खनन सहित लगभग 4 लाख 61 हजार 908 करोड़ छत्तीसगढ़ से वसूला है और इस दौरान छत्तीसगढ़ को केंद्र से 1 लाख 92 हजार करोड़ मिलना था जिसमें भी केवल 1 लाख 37 हजार 190 करोड़ 76 लाख ही मिला है।

देश में महंगाई पर मौन क्यों है भाजपा नेत्रियां-कांग्रेस प्रवक्ता

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शिल्पा देवांगन ने कहा कि महंगाई पर भाजपा की नेत्रियां मौन क्यों है? महंगाई के खिलाफ गृहणियों की आवाज उठाने से क्यों डर रही है? 2014 के पहले महंगाई पर घड़ियाली आंसू बहाने वाली, आलू-प्याज की माला पहनने वाली नेत्रियां अब गायब है। 100 दिनों में महंगाई कम कर जनता को राहत देने की गारंटी देकर सत्ता में आने वाले मोदी सरकार की मुनाफाखोरी के नीति के चलते जनता आज महंगाई से परेशान हैं मोदी सरकार और पेट्रोलियम कंपनियां संगठित होकर जनता से पेट्रोल डीजल में मुनाफा कमा रही है। जनता महंगाई से बेहाल है। मोदी सरकार खुद के मुनाफा और पेट्रोलियम कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए क्रूड ऑयल की कीमत में 35 प्रतिशत की कमी का फायदा जनता को नहीं दे रही है।बीते 9 साल में मोदी सरकार ने पेट्रोल डीजल में भारी भरकम एक्साइज ड्यूटी लगाकर 30 लाख करोड़ रुपए गरीब जनता की जेब से निकाल लिया है और अब पेट्रोलियम कंपनियों को संरक्षण देकर उनके फायदा के लिए काम कर रही है। गरीब जनता महंगाई से कहरा रही है उनकी पीड़ा को केंद्र की सरकार अनसुना कर रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शिल्पा देवांगन ने मोदी सरकार से पूछा जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड आयल के दाम में 35 प्रतिशत तक की गिरावट आई है फिर देश के भीतर पेट्रोल डीजल की दरों में 35 प्रतिशत की कमी क्यों नहीं की गई? पेट्रोल डीजल के दामों में 35 प्रतिशत की कमी की जाती और एक्साइज ड्यूटी मनमोहन सरकार के दौरान की ली जाती तो देश की जनता को महंगाई से बड़ी राहत मिलता। आवश्यक वस्तुओं के दामों में भी 30 से 35 प्रतिशत की कमी आती। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शिल्पा देवांगन ने कहा कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के चलते सब्जी की कीमत में शत प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है दवाइयों के कीमत में 30 प्रतिशत किताब, कापी, स्टेशनरी, जूता, चप्पल के दाम में 20 प्रतिशत खाद्य तेल, दाल, शक्कर, कपड़ा, टोल टैक्स, ऑटो पार्ट्स, टायर, ट्यूब, आयल, ग्रीस, सौंदर्य प्रसाधन सहित सभी आवश्यक वस्तुओं के दाम में 2014 के मुकाबले 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शिल्पा देवांगन ने कहा कि 2013 से 2023 के बीच में आटे के दाम में 46 प्रतिशत, आटा...

ये चुनाव सरकार बनाने का नहीं, छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने का है : बृजमोहन

रायपुर। एकात्म परिसर में भाजपा प्रवेश कार्यक्रम के तहत सदस्यता 2000 से अधिक लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। एकात्म परिसर भाजपा कार्यालय में दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के हजारों युवाओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। पूर्व मंत्री व विधायक श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सभी को पट्टिका पहनाकर भाजपा कार्यकर्ता बनाने पर बधाई दी। पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि ये चुनाव नेता या सरकार बनाने का नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के लोगों के विकास का चुनाव है। प्रदेश की जनता के साथ भाजपा ने भी अत्याचारी भूपेश सरकार को उखाड़ फेंकने का जिम्मा उठाया है। जिसे इस चुनाव में हमारे साथी मिलकर पूरा करेंगे। उन्होंने सभी लोगों से कहा कि आप लोग अपनी सक्रिय भागीदारी निभाकर अपने अपने समाज के ज्यादा से ज्यादा लोगों को भाजपा का सदस्य बनाने जुट जाएं। जिससे रायपुर में पार्टी को मजबूती मिलेगी। प्रदेश की कांग्रेस सरकार झूठ बोलकर काम कर रही है। आप लोगों के सहयोग से ही इस घोटालेबाज सरकार को प्रदेश से हटाने में कामयाब होंगे। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, जयंती भाई पटेल, उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा, सुनीता सोनी, रिंकू, अनुज, अनुराग, दिनेश, संजय, रितेश सोमानी आदि लोग मौजूद रहे।

अंतरिक्ष ज्ञान अभियान स्पेस वेन पहुंचा तिफरा स्कूल......

- अंतरिक्ष विशेषज्ञ रत्नेश मिश्र इस क्षेत्र में लगातार कई वर्षों से कार्य कर रहे हैं
- उन्होंने बच्चों को इस विषय में सोचने से नयी नयी खोज में मदद मिलेगी
- बच्चों की तारिफकी और कहां की सोचने से हम आगे बढ़ते हैं और स्पेश माडल के अपने आठ साल के अनुभव को साझा किया,

रायपुर/ संवाददाता

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिफरा में अंतरिक्षयान अभियान के अंतर्गत बच्चों को अंतरिक्ष से जुड़ी बातों को बताने विभिन्न स्पेस के मांडल लेकर पहुंची टीम जिन्होंने बच्चों की अंतरिक्ष, स्पेस, ब्लेक होल, गुरुत्वाकर्षण, तारामंडल और अंतरिक्ष के क्षेत्र में हो रहे नये नये प्रयोग, सेटेलाइट, दुरसंचार, सुरक्षा, खोज, रिसर्च जैसे विभिन्न बातों को बच्चों को बताने का प्रयास किया। अंतरिक्ष विशेषज्ञ रत्नेश मिश्र इस क्षेत्र में लगातार कई वर्षों से कार्य कर रहे हैं उन्होंने बच्चों को इस विषय में सोचने से नयी नयी खोज में मदद मिलेगी। मानवी धवन वक्ता अंतरिक्ष विशेषज्ञ ने बच्चों के मन में उठ रहे विभिन्न सवालों के जवाब दिए और बच्चों की तारिफकी और कहां की सोचने से हम आगे बढ़ते हैं और स्पेश माडल के अपने आठ साल के अनुभव को साझा किया, सुभाष देवांगन ने मांडल के विभिन्न पार्ट की उपयोगिता के बारे में बच्चों को बताया और चंद्रयान के संबंध में प्रश्न किए जिसका बच्चों ने जवाब दिया। कार्यक्रम के दौरान इस अंतरिक्ष ज्ञान अभियान के बारे डा. अखिलेश तिवारी ने संक्षेप में प्रकाश डाला और बच्चों को प्रोत्साहित किया। धनंजय, मनोज, विजय तिवारी सहायक के रुप में उपस्थित रहे।बच्चों ने मन में उठ रहे अंतरिक्ष के बारे में कई प्रश्न पूछे जिसके लिए उन्हें पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन जय कौशिक ने किया। विद्यालय परिवार प्रभारी प्राचार्य आर के दुबे ने आभार प्रदर्शन किया और शाला की पत्रिका प्रेरणा भेंट की इस दौरान सुमन शुक्ला, रेखा दुबे, सरिता सांडिल्य, हिमांशु पुनवा, रजनीगंधा बेहार, सुमन राय, सविता त्रिवेदी, इंदु शर्मा, ज्योति सूर्या, तिवारी मेडम, कृष्णा तिवारी, रामकुमार सोनी, दुर्गेश नंदिनी सिंह, भाग्यश्री मंगरुलकर, नर्मदा मेडम, अहिरवार सर, द्वारिका सिंह राजपूत, कृष्ण कुमार साहू सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

युवा अधिकार परिवर्तन पदयात्रा

युवाओं को मौका मिलना चाहिए क्यों कि परिवर्तन संसार का नियम-बसंत अग्रवाल

रायपुर। संवाददाता

राजधानी के गुढियारी स्थित भारत माता चौक में युवा अधिकार परिवर्तन पदयात्रा को संबोधित करते हुए युवा समाजसेवी व भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बसंत अग्रवाल ने कहा कि परिवर्तन संसार का नियम है इसलिए युवाओं को एक मौका जरुर मिलना चाहिए। सवाल विधायकी का नहीं है उस सिस्टम में घूसकर सरकार की योजनाओं का आम लोगों को कैसे लाभ पहुंचाया जा सका यह उनका उद्देश्य है। युवा अधिकार परिवर्तन पदयात्रा में सैकड़ों की जनसंख्या में जनसैलब उमड़ा और जगह- जगह पर बसंत अग्रवाल का सम्मान किया गया। यह पदयात्रा महादेवघाट स्थित हटकेश्वर महादेव घाट में समाप्त हुई। जहां श्री अग्रवाल ने हजारों समर्थकों के साथ हटकेश्वर महादेव में पूजा-अर्चना करने के बाद जल अर्पण किया। जनसभा को संबोधित करते हुए बसंत अग्रवाल ने कहा कि राजधानी रायपुर और छत्तीसगढ़ के इतिहास में आज तक 15 20 सालों में कहीं पर भी ऐसी भीड़ नहीं उमड़ी जो गुढियारी के दही हाण्डी मैदान में हुए प्रदीप मिश्रा के प्रवचन में उमड़ी थी। आज तक ऐसा आयोजन किसी नेता ने नहीं कराया हो जहां छत्तीसगढ़ के इतिहास में इतनी ज्यादा भीड़ उमड़ी हो क्योंकि आप लोगों और महोदव की कृपा उनके ऊपर है। अपनी और युवाओं की बात रखने के लिए यह परिवर्तन पदयात्रा निकाल रहे है क्योंकि युवाओं को अपना अधिकार मिल सकें। आप चाहते हो कि नहीं कोई युवा विधायक बने, अगर आप लोगों को 15 दिन एक ही सब्जी खिलाऊंगा को आप लोग क्या उसे खाएंगे नहीं ना, ठीक उसी प्रकार पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में युवाओं को भी एक मौका दिया जाना चाहिए। परिवर्तन संसार का नियम है और मैं भी चाहता हूं कि हमारी पार्टी ने जो वादा किआ था कि नये चेहरो को मौका देंगे ।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com